WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

किरदार को स्क्रिप्ट में अहमियत मिले अदा शर्मा

वर्षः 01 अंक : 281 | लखनऊ, बुधवार, 30 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

देश में कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 51 लाख के पार

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 84 हजार से अधिक लोगों ने कोरोना संक्रमण को मात दी जिससे स्वस्थ होने वालों की संख्या 51 लाख के पार पहुंच गयी तथा इस दौरान संक्रमण के लगभग 70 हजार मामलों की तुलना में कोरोनामुक्त हुए लोगों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामलों में करीब 15 हजार की कमी हुई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 84,877 मरीज स्वस्थ हुए हैं, जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 51,01,398 हो गयी है। संक्रमण के 70,589 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या 61,45,292 हो गयी तथा इसकी तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामलों की संख्या में 15,064 की कमी आयी है और अब यह 9,47,576 रह गयी है। पिछले 24 घंटे के दौरान 776 मरीजों की मौत हो गयी जिससे संक्रमण से अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 96,318 हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 15.42 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.57 फीसदी रह गये हैं जबकि रोगमुक्त होने वालों की दर 83.01 प्रतिशत हो गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 8191 कम होकर 2,65,455 रह गये हैं जबकि 180 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 35,751 हो गयी है। इस दौरान 19,932 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 10,49,947 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 676 की कमी हुई है और राज्य में अब 1,04,067 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8,641 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,69,750 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1760 कम होने से सक्रिय मामले 63,116 रह गये। राज्य में अब तक 5,745 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 6,12,300 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

झुग्गी बस्तियों और अन्य शहरी इलाकों में कोरोना संक्रमण अधिक

नयी दिल्ली। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक प्रोफेसर बलराम भार्गव ने आज बताया कि देश के ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी इलाकों की झुग्गी बस्तियों तथा अन्य इलाकों में रहने वाले लोग अधिक संख्या में कोरोना वायरस 'कोविड-19' से संक्रमित हुए। डॉ भार्गव ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय की नियमित प्रेस ब्रीफिंग में मंगलवार को दूसरे राष्ट्रीय सिरोलॉजिकल सर्वेक्षण रिपोर्ट को जारी करते हुए बताया कि देश के ग्रामीण इलाकों में 4.4 प्रतिशत व्यक्ति कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आये जबकि शहर के झुग्गी इलाकों की 15.6 प्रतिशत आबादी और अन्य शहरी इलाकों में 8.2 प्रतिशत आबादी कोरोना वायरस से संक्रमित रही। उन्होंने बताया कि सिरोलॉजिकल सर्वेक्षण में आम आबादी के रक्त का नमूना लिया जाता है और उनमें आईजीजी एंटीबॉडी की जांच की जाती है। अगर किसी व्यक्ति में एंटीबॉडी पायी जाती है, तो इसका मतलब होता है कि वे पहले कोविड-19 वायरस से संक्रमित हो चुके हैं, जिसके बाद उनके शरीर में एंटीबॉडी विकसित हुई है। यह सर्वेक्षण यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि देश की आम आबादी में कोरोना वायरस का संक्रमण किस हद तक फैला है। इसके संक्रमण से किस आयु वर्ग और लिंग के व्यक्ति को अधिक खतरा है और किन इलाकों में कंटेनमेंट को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। आईसीएमआर ने इसी कोशिश के तहत पहला सिरो सर्वेक्षण 11 मई से चार जून के बीच देश के 21 राज्यों के 70 जिलों के 700 गांवों में किया गया। पहला सर्वेक्षण वयस्क लोगों के बीच किया गया जिसमें पाया गया कि कोरोना संक्रमण 0.73 प्रतिशत आबादी में फैला है। डॉ भार्गव ने बताया कि दूसरा सिरो सर्वेक्षण 10 साल और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के बीच किया गया।

ग्यारह राज्यों की 56 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखें घोषित, नतीजे 10 नवंबर को

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि 10 राज्यों की 54 विधानसभा सीटों पर तीन नवंबर को उपचुनाव होंगें जबकि बिहार की एक लोकसभा सीट और मणिपुर की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव सात नवंबर को कराये जायेंगे तथा मतगणना 10 नवंबर को होगी। आयोग ने कहा कि कोविड -19 के कारण उत्पन्न स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर असम, तमिलनाडु और केरल की दो-दो तथा पश्चिम बंगाल की एक विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव नहीं होंगे। आयोग के अनुसार मध्यप्रदेश विधानसभा की 28, गुजरात की आठ , उत्तर प्रदेश की सात , झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा तथा नागालैंड की दो -दो, हरियाणा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की एक -एक सीट के लिए उपचुनाव तीन नवम्बर को होंगे। बिहार की वाल्मीकि नगर लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव सात नवंबर को होंगे। उसी दिन मणिपुर की दो विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव होगा। आयोग के अनुसार 54 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना नौ अक्टूबर को जारी होगी जबकि मतदान तीन नवम्बर को होगा। बिहार की संसदीय सीट के लिए मतदान सात नवम्बर को होगा। उसके लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी। जहां तीन नवम्बर को मतदान होगा, वहां नामांकन की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर है और नामांकन पत्रों की जांच 17 अक्टूबर को होगी तथा नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 19 अक्टूबर है। जहां सात नवम्बर को मतदान होगा, उसके लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है।

चीन एलएसी की मनमानी व्याख्या भारत पर ना थोपेः विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने आज कहा कि उसने 1959 में चीन द्वारा एकतरफा ढंग से परिभाषित तथाकथित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को कभी भी स्वीकार नहीं किया है। इसलिए चीन सभी द्विपक्षीय समझौतों एवं सहमतियों का पालन करे तथा एलएसी की अपनी मनमानी व्याख्या भारत पर जबरन थोपने की कोशिश नहीं करे। एक अंग्रेजी दैनिक की रिपोर्ट में चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा पहली बार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसका पक्ष साफ किये जाने के बाद भारत ने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह सात नवंबर 1959 को चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई द्वारा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को लिखे पत्र में प्रस्तावित एलएसी का पालन करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने यहां कहा कि हमने 29 सितंबर के समाचार पत्र में इस बारे में रिपोर्ट को देखा है। भारत ने 1959 में एकतरफा ढंग से परिभाषित तथाकथित एलएसी को कभी स्वीकार नहीं किया और भारत का यह रुख चीन सहित सभी को अच्छी तरह से पता है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि चीन के दावे से अलग 1993 के शांति एवं स्थिरता बनाये रखने संबंधी समझौते, 1996 के सैन्य स्तर पर परस्पर विश्वास बहाली उपायों संबंधी करार, 2005 के विश्वास बहाली के उपायों के क्रियान्वयन के प्रोटोकॉल, 2005 के भारत चीन सीमा प्रश्न के समाधान के लिए दिशानिर्देशक सिद्धांतों एवं राजनीतिक मानदंडों पर समझौते में भारत एवं चीन ने एलएसी के स्पष्टीकरण एवं पुष्टि तथा एलएसी के निर्धारण को लेकर एक समान समझ कायम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

महबूबा मुफ्ती की नजरबंदी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की प्रदेश प्रशासन की खिंचाई

जम्मू, एजेंसी। पिछले साल 5 अगस्त से ही नजरबंदगी में रखी गई पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश प्रशासन की खिंचाई की है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती की हिरासत के मुद्दे पर कहा कि महबूबा को हमेशा हिरासत में नहीं रखा जा सकता। पार्टी की बैठक में भाग लेने के लिए, उन्हें अधिकारियों से अनुरोध करना चाहिए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वह बैठक भाग लें, इस पर विचार किया जा सकता है। अदालत ने बेटी इल्तिजा और उनके भाई तस्दुक मुफ्ती को महबूबा मुफ्ती से मिलने की अनुमति दी है। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की हिरासत पर सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर प्रशासन से जवाब भी मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत अधिकतम कितनी हिरासत हो सकती है?

प्रदेश सरकार सभी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश सरकार सभी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके दृष्टिगत यह सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने समस्त कोविड अस्पतालों में दवाई तथा ऑक्सीजन की सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। कोविड-19 के टेस्टिंग कार्य को पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि हाई रिस्क ग्रुप के अधिक से अधिक टेस्ट किए जाएं। सर्विलांस सिस्टम को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग और सर्विलांस व्यवस्था जितनी सुदृढ़ होगी, कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने में उतनी अधिक सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि के0जी0एम0यू0 को स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों से तथा एस0जी0पी0जी0आई0 को चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत मेडिकल कॉलेजों व चिकित्सा संस्थानों से वर्चुअल आई0सी0यू0 के माध्यम से जोड़ा जाए। इससे गम्भीर रोगियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से बेहतर इलाज की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक कोरोना की कोई कारगर दवा अथवा वैक्सीन विकसित नहीं हो जाती, तब तक सावधानी व बचाव ही एक मात्र उपाय है। इसके दृष्टिगत लोगों को जागरूक किए जाने की कार्यवाही लगातार जारी रखी जाए। जनता को विभिन्न प्रचार माध्यमों से संक्रमण से बचाव के बारे में जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ई-संजीवनी एप के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही ओ0पी0डी0 सुविधा काफी उपयोगी सिद्ध हो रही है। इसके दृष्टिगत ई-संजीवनी एप का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, जिससे लोग घर पर रहते हुए चिकित्सीय परामर्श प्राप्त कर सकें। उन्होंने चिकित्सकों तथा पैरामेडिक्स का प्रशिक्षण कार्य निरन्तर संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद लखनऊ व कानपुर नगर में विशेष ध्यान देते हुए रिकवरी दर को बेहतर बनाया जाए। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राजनाथ ने लॉन्च किया 'रक्षा भारत स्टार्टअप चैलेंज'

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को 'रक्षा भारत स्टार्टअप चैलेंज' (डीआईएससी4) की शुरुआत की और रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में निजी क्षेत्र के महत्त्व को रेखांकित किया। रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडेक्स) कार्यक्रम के तहत श्री सिंह ने यहां डीआईएससी4 के साथ ही आईडेक्स4फौजी और उत्पाद प्रबंधन अप्रोच (पीएमए) पर दिशा-निर्देश भी लॉन्च किये। आईडेक्स पहल को सबसे प्रभावी और उत्तम तरीके से क्रियान्वित रक्षा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तथा आत्मनिर्भर भारत की भावना के अनुरूप निर्णायक कदम बताते हुये उन्होंने कहा ÷देश के रक्षा तंत्र को मजबूत और स्वावलंबी बनाने में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमने निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, ऑटोमेटिक रूट से 74 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की व्यवस्था और 101 सामानों के निर्यात पर प्रतिबंध जैसे कई कदम उठाये हैं। आईडेक्स4फौजी के तहत देश के सशस्त्र बलों के सदस्यों के नवाचारों को सरकार की तरफ से समर्थन प्रदान किया जायेगा। कोई भी सैनिक उसके द्वारा इस्तेमाल किये जा रहे उपकरणों को और बेहतर बनाने संबंधी सुझाव दे सकता है। उनके सुझावों को नवाचार में बदलने के लिए पूरी मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सोमवार को रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 लॉन्च किया है जिससे रक्षा क्षेत्र में निजी उद्यम की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने सेना से रक्षा नवाचार संगठन के प्लेटफॉर्म के भरपूर इस्तेमाल की अपील की ताकि उनकी प्रौद्योगिकी संबंधी जरूरतें पूरी हो सकें। उन्होंने देश की स्टार्टअप कंपनियों से रक्षा क्षेत्र का हिस्सा बनने के लिए इस अवसर को भुनाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, रक्षा सचिव अजय कुमार और रक्षा खरीद विभाग के सचिव राजकुमार भी मौजूद थे।

कृषि उपकरण जलाकर किसानों का अपमान कर रहा विपक्षः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफकिसानों और विभिन्न विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जो अपने गुस्से को दिखाने के लिए कृषि उपकरण जला रहे है, वे किसानों का अपमान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष किसानों द्वारा पूजे जाने वाले मशीनों और उपकरणों में आग लगाकर किसानों का अपमान कर रहा है। उन्होंने उत्तराखंड में सीवेज ट्रीट के लिए नमामि गंगे परियोजना के तहत छह परियोजनाओं का उद्घाटन करने के दौरान यह बात कही। उनकी टिप्पणी भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा दिल्ली में ट्रैक्टर में आग लगाने के एक दिन बाद आई है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि अब नए कृषि कानूनों का विरोध करने वालों ने सत्ता में होने के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू

करने के पक्ष में बात की थी, लेकिन ऐसा कभी नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा, यह हमारी एनडीए सरकार द्वारा एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किया गया है। उन्होंने विपक्ष पर किसी का नाम लिए बिना एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के मुद्दे पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया और दोहराया कि एमएसपी तब भी रहेगा जब किसानों को अपनी उपज मनचाही जगह बेचने की आजादी होगी। मोदी ने कहा, कुछ लोग इस स्वतंत्रता को (किसानों की) बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए काला धन कमाने का एक और तरीका समाप्त हो गया है। मोदी ने फिर से कृषि क्षेत्र और श्रम सुधारों पर नए कानूनों के डर को दूर करने की कोशिश की।

नए कृषि कानून किसानों के दिल में छुरा मारने जैसाः राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की ओर से लाए गए नए कृषि कानूनों के विरोध में आवाज बुलंद करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि ये कानून श्किसानों के दिलों में छुरा मारने और उनकी रीढ़ की हड्डी तोड़ने के लिए लाए गए हैं। उन्होंने लगभग 10 मिनट तक वर्चुअल रूप से किसानों के साथ बातचीत भी की। कांग्रेस नेता ने कहा, हमें बताया गया था कि 2016 में नोटबंदी का उद्देश्य काले धन से लड़ना था, लेकिन यह झूठ था। मुख्य उद्देश्य किसानों और श्रमिकों को आर्थिक चोट पहुंचाना था। उन्होंने कहा, इसी तरह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के रोलआउट का उद्देश्य समान था। कोरोनोवायरस महामारी के दौरान भी गरीबों को पैसे दिए जाने की जरूरत थी, लेकिन सरकार ने कुछ भी नहीं दिया। राहुल ने कहा, एनडीए सरकार का उद्देश्य किसानों और श्रमिकों की रीढ़ की हड्डी तोड़ना है।

बिहार में बसपा का चुनावी गठबंधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा की है। सुश्री मायावती ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि बिहार विधानसभा चुनावों में उतरने के लिए बसपा गठबंधन करेगी। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि चुनावों में यदि गठबंधन को बहुमत हासिल होता है तो श्री कुशवाहा मुख्यमंत्री होंगे। श्री कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा रही है और वह नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रह चुके हैं। फिलहाल वह बिहार में राज्य सरकार के खिलाफ बने रहे महागठबंधन का हिस्सा थे। सुश्री मायावती ने कहा कि गठबंधन बेरोजगारी, गरीबी और बाढ़ की विभीषिका को मुद्दा बनायेगा और बिहार की जनता को इनसे मुक्ति दिलायेगा। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की जनता से गठबंधन को मौका देने की अपील करती हूं। भारतीय जनता पार्टी की पिछली सरकारों ने राज्य के गरीबों, वंचितों, किसानों और युवाओं के हितों की अनदेखा की है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में लोकसभा और विधानसभा की सीटों के लिए हो रहे उप चुनाव में बसपा किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

कश्मीर में आतंकी हमले रूके नहीं

जम्मू, एजेंसी। कश्मीर में आतंकी हमलों में आई बिजली सी तेजी का परिणाम है कि आतंकियों के साथ मुठभेड़ें बढ़ती जा रही हैं। आज भी अनंतनाग के मरहामा इलाके के संगम गांव में सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेरे में लिया हुआ है। दोनों ओर से गोलीबारी चल रही है। घेराबंदी में दो से तीन आतंकवादियों के फंसे होने की सूचना है। सुरक्षाबलों से मिली जानकारी के अनुसार इन आतंकवादियों ने मरहामा में सेना के 03 आरआर बटालियन के एक दल पर अचानक से हमला कर दिया। हमले के बाद ये आतंकवादी संगम गांव में छिप गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस हमले में सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। परंतु इससे पहले की सुरक्षाकर्मी आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई शुरू करते आतंकी मौका पाकर वहां से फरार हो गए। दल में शामिल जवानों ने आतंकियों का पीछा शुरू कर दिया। इस बीच अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भी बुला लिया गया। आतंकी संगल इलाके में छिप गए। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी।ने सुरक्षाबलों को अपने नजदीक आते देख उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

हमले के बाद तुरंत पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। मालूम हो कि सोमवार को शोपियां जिले में आतंकियों ने बीडीसी कर्मचारी के घर में घुसकर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद आतंकी मौके से भाग निकले थे। उनकी तलाश के लिए पूरे इलाके में अभियान चलाया गया। हालांकि, कोई सुराग हाथ नहीं लगा। बताते हैं कि सोमवार की शाम को आतंकी नीलदूरा गांव पहुंचे। उन्होंने कर्मचारी साब्जार अहमद नायकू के घर में घुसकर गोली मार दी। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद शोर होने पर आतंकी मौके से भाग निकले।

दलित लड़की से हाथरस में गैंगरेप

उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ी, जीभ काट दी, 15 दिन सिर्फ इशारे से बताती रही, रात 3 बजे जिंदगी से जंग हार गई वो बेटी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में गैंगरेप की शिकार दलित लड़की आखिरकार जिंदगी से जंग हार गई। मंगलवार तीन बजे तड़के उसने दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में दम तोड़ दिया। 14 सितंबर को दरिंदों ने गैंगरेप के बाद उसकी जीभ काट दी थी, रीढ़ की हड्डी तोड़ दी थी। वह बाजरे के खेत में बेसुध मिली थी। तबियत बिगड़ने लगी थी तो उसे सोमवार को ही दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया था। भास्कर रिपोर्टर पूनम कौशल सोमवार को सफदरगंज अस्पताल में उनके परिवार से मिली थीं। इस मुलाकात के 5-6 घंटे बाद ही पीड़िता की मौत हो गई थी। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल की नई बनी इमारत के बाहर लोगों की भीड़ है। वहीं एक कोने में एक बुजुर्ग उदास बैठे हैं। उनके इर्द-गिर्द लोग

जुटे हैं। कुछ को वो जानते हैं, कुछ को नहीं। कुछ उन्हें सांत्वना दे रहे हैं, कुछ ये भरोसा कि उनकी बेटी जिंदगी की जंग जीत जाएगी। दो सप्ताह पहले उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में गैंगरेप का शिकार हुई उनकी बेटी अस्पताल में वेंटीलेटर पर है। उसकी जीभ काट दी गई थी। रीढ़ की हड्डी टूटी हुई है। जिस्म पर कई गहरे जख्म हैं। दुपट्टे से उसका गला घोटा गया और उसे मरा जानकर छोड़ा गया। उसके पास अभी कोई नहीं है। उसका छोटा भाई जो पिछले दो सप्ताह से उसकी देखभाल कर रहा है, दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ गया है, जो ये देखने आए थे कि परिवार को अस्पताल में सुरक्षा मिली है या नहीं। पिता दीवार से कमर टिकाए गुमसुम बैठे हैं। लोग उनसे क्या कह रहे हैं इसका उन्हें बहुत ज्यादा होश नहीं है। मैं उनसे बात करने की कोशिश करती हूं तो वो कहते हैं कि मैं बहुत बोल नहीं पाऊंगा। मैं उनके पास ही बैठ जाती हूं। कुछ देर बाद वो बोलना शुरू करते हैं। बेटी का नाम आते ही फफक पड़ते हैं। चेहरा मास्क से ढका था, आंखों में दर्द और डर साफ नजर आ रहा था। वो कहते हैं, ये लोग गांव के ठाकुर हैं। ये लोग मेरी बेटी से दरिंदगी करने से पहले मेरे पिता से भी मारपीट कर चुके हैं। उनकी उंगलियां तक काट दी थी। इनकी मानसिकता पहले से ऐसी ही है। ये हमें डराते-धमकाते रहते थे, हम हमेशा बर्दाश्त करते और सोचते कि चलो जाने दो। अब इन्होंने हमारी बेटी के साथ ऐसा अत्याचार किया है। वो बोलते-बोलते अचानक खामोश हो जाते हैं। खौफ उनके चेहरे पर तैरने लगता है। दलित संगठनों से जुड़े लोग उन्हें भरोसा देने की कोशिश करते हैं कि उन्हें और उनके परिवार को अब कुछ नहीं होगा। लेकिन उनका डर कम नहीं होता। इसी बीच उनका सबसे छोटा बेटा हांफता हुआ आता है। उसका फोन दोपहर से ही बंद है। बहन की देखभाल, कागजों की लिखाई-पढ़ाई और अस्पताल में अलग-अलग जगहों के चक्कर काटने में उसे इतना भी समय नहीं मिला है कि कुछ देर रुककर अपना फोन भी चार्ज कर सके। उसके आते ही कई फोन बात करने के लिए उसे पकड़ा दिए जाते हैं। कुछ पारिवारिक रिश्तेदारों के हैं, कुछ पत्रकारों के, सभी बस वेंटिलेटर पर भर्ती उसकी बहन का हाल जानना चाहते हैं।

बाबरी विध्वंस फैसला आने से पहले अयोध्या समेत प्रदेश में हाई अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता। बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिराए जाने के मामले का फैसला आने से पहले अयोध्या समेत समूचे उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सीबीआई के विशेष अदालत के न्यायाधीश एसके यादव 32 आरोपियों के समक्ष सुबह 10 बजे फैसला सुनाएंगे। हालांकि कई आरोपी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे, लेकिन इनमें से कुछ निजी तौर पर अदालत में मौजूद होंगे। करीब 28 साल के लंबे अंतराल के बाद आने वाले ऐतिहासिक फैसले की संवेदनशीलता के मद्देनजर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं। नेपाल सीमा समेत सभी जिलों में सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट में रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर

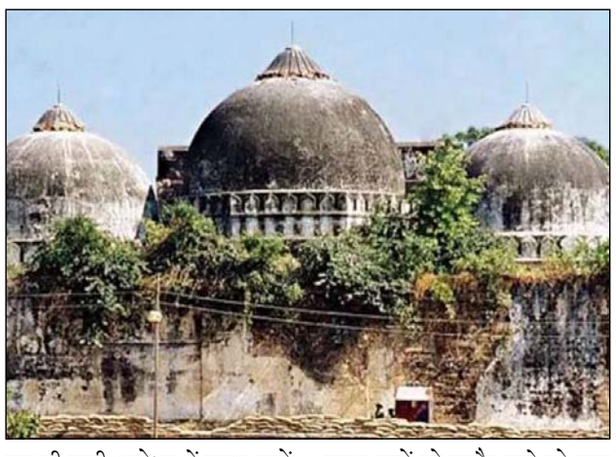

राम की नगरी अयोध्या में सुरक्षा बलों की पैनी नजर रहेगी जहां फैसले के समय कुछ आरोपी मौजूद होंगे। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने मंगलवार को कहा कि सी.बी.आई. अदालत के फैसले के मद्देनजर सभी जिलों में सुरक्षा बलों को मुस्तैद रहने को कहा गया है। अयोध्या में सुरक्षा के खास इंतजाम किये गये हैं। आरोपियों के वकीलों के अनुसार पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी की उम्र का लिहाज करते हुए अदालत में निजी तौर पर उपस्थित रहने से छूट दी गई है। वे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अपनी मौजूदगी अदालत में दर्ज कराएंगे। इस दौरान उनके आवास के बाहर पुलिस तैनात रहेगी और अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें घर में नजरबंद किया जा सकता है। इसी प्रकार कोरोना संक्रमण से ग्रसित मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के अलावा कोरोना से उबरने के बावजूद लगातार आक्सीजन पर चल रहे महंत नृत्य गोपाल दास अदालत में उपस्थित नहीं होंगे। मामले के आरोपी सतीश प्रधान समेत कुछ अन्य आरोपियों को भी बीमारी के कारण अदालत में मौजूद रहने से छूट प्रदान की गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता संगठन ने सैयद सगीर अहमद के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक ने प्रसिद् समाजवादी नेता, दिवंगत सैयद सगीर अहमद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह एक साधारण जीवन जिए। और उन्होंने अपना अधिकांश जीवन गरीबों, जरूरतमंदों और निराश्रितों की देखभाल करने में बिताया। सैयद सगीर अहमद एक प्रसिद्ध समाजवादी नेता थे और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के साथ उनके करीबी संबंध थे। पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के साथ भी उनके संबंध थे।

उत्तर प्रदेश में 7 विधानसभा सीटों पर तीन नवम्बर को पड़ेंगे वोट

अब्दुल्ला आजम की सीट स्वार पर नहीं होगा चुनाव

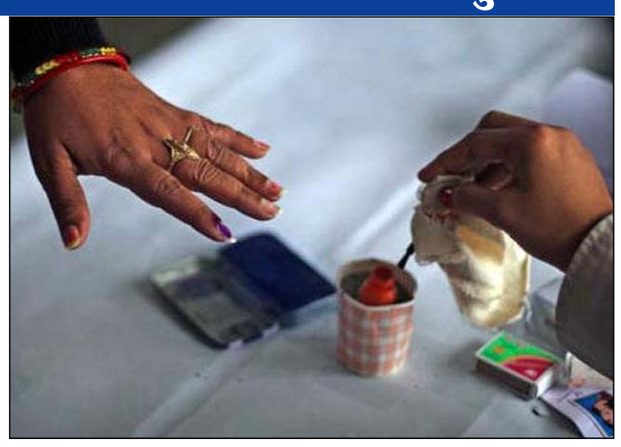

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माने जा रहे उपचुनाव में 8 में से 7 विधानसभा सीटों पर 3 नवम्बर को वोट डाले जाएंगे। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव के कार्यक्रम का औपचारिक एलान मंगलवार को कर दिया। रामपुर की स्वार सीट को छोड़कर 7 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की अधिसूचना 9 अक्टूबर को जारी की जाएगी जबकि नामाकंन की आखिरी तारीख 16 अक्टूबर तय गई है। 17 अक्टूबर को नामाकंन पत्रों की जांच का काम किया जाएगा। वहीं 19 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। मतदान 3 नवम्बर को होगा और मतगणना 10 नवंबर की जाएगी और संभवत उसी दिन सभी परिणाम घोषित होंगे। प्रदेश में कानपुर के घाटमपुर, जौनपुर के मल्हनी, रामपुर के स्वार, बुलंदशहर के सदर, आगरा के टूंडला, देवरिया के देवरिया सदर, उन्नाव के बांगरमऊ तथा अमरोहा के नौगावां सादात विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव होने हैं। स्वार सीट पर अभी चुनाव नहीं होगा। यहां से आजम खां के पुत्र अब्दुल्ला आजम खां विधायक थे जिनकी सदस्यता गलत आयु प्रमाण पत्र देने के कारण रद्द कर दी गई है। अब्दुल्ला आजम के 6 साल चुनाव ना लडने पर रोक लगाने की शिकायत राष्ट्रपति से की गई है। जब तक राष्ट्रपति के पास इस मामले में सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक चुनाव नहीं कराया जा सकता है। 2017 के विधानसभा चुनाव में इन 8 में से 6 सीटों पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की थी जबकि 2 पर सपा का कब्जा था।

योगी सरकार कान खोलकर सुन लें हमारी बहन-बेटियां गाजर-मूली नहीं: संजय सिंह

लखनऊ, संवाददाता। आम आदमी पार्टी के सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने हाथरस में हैवानियत की शिकार दलित युवकी की मौत पर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार कान खोलकर सुन लें हमारी बहन-बेटियां गाजर-मूली नहीं हैं जो रौंद दी जाएं। आप सांसद ने ट्वीट कर कहा कि, ÷योगी सरकार कान खोलकर सिन लें हमारी बहन-बेटी कोई गाजर मूली नहीं जो उप्र में निर्मम तरीके से रौंद दी जायेगी। इसलिए मेरी योगी जी से अपील है हाथरस की घटना पर तुरंत कड़ा रुख करिए। गुनहगार दरिंदों को सरकार जल्द फांसी पर लटकाने के लिए कदम उठाए। घटना असहनीय। सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान सिंह ने कहा कि प्रदेश की योगीराज में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं। पूरे मामले मे फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिलाया जाए।

संस्कृति सेवा संस्थान ने शुरू किया प्रदेश स्तरीय नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना संकट काल में घोषित लॉकडाउन के कारण प्रदेश भर में जनजागृति के लिए हो रहे नुक्कड़ नाटकों का क्रम थम गया था। प्रदेश में अनलॉक के बाद पहली बार फिर से प्रदेश के विभिन्न जिलों में कलाकार जा कर जनजागृति के लिए नुक्कड़ नाटक प्रदर्शित करने लगे हैं। देश के प्रतिष्ठित संस्कृति सेवा संस्थान की ओर से इस वृहद योजना से सैकड़ों कलाकारों को रोजगार मिल रहा है और लाखों लोग, इस प्रदेश स्तरीय महा अभियान से जुड़ कर लाभांवित हो भी रहे हैं। आम जन को आकर्षित करने के लिए हाई-टेक मोबाइल एलईडी स्क्रीन वैन का भी उपयोग किया जा रहा है। संस्कृति सेवा संस्थान के निदेशक जगमोहन रावत ने बताया कि कौशल सतरंग कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीती 12 मार्च 2020 को किया था। बाद में कोरोना संकट को देखते हुए इस महा अभियान को 28 मार्च से रोक देना पड़ा। भारतेन्दु नाट्य अकादमी से प्रशिक्षित जगमोहन रावत ने बताया कि अब अनलॉकडाउन में इसे दोबारा प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए प्रदेश भर में शुरू किया गया है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के इस महा अभियान के तहत सोमवार 28 सितम्बर को कन्नौज में नुक्कड़ सभाएं हुई। इस क्रम में 29 को फिरोजाबाद और 30 सितम्बर को मैनपुरी में नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया जाएगा। एक अक्टूबर को इटावा, 3 को फिरोजाबाद, 5 को आगरा, 6 को मथुरा, 7 को हाथरस, 8 को एटा, 9 को कासगंज, 10 को अलीगढ़, 12 को बुलंदशहर, 13 को गौतमबुद्ध नगर, 14 को गाजियाबाद, 15 को हापुड़, 16 को मेरठ, 17 को बागपत, 19 को शामली, 20 को सहारनपुर, 21 को मुजफ्फरनगर, 22 को बिजनौर, 23 को मुरादाबाद, 24 को अमरोहा, 26 को रामपुर, 27 को संभल, 28 को बरेली, 29 को बदायूं, 30 को पीलीभीत, 31 को अक्टूबर शाहजहांपुर और 2 नवम्बर को लखीमपुर खीरी में प्रस्तुतियां होंगी।

हाथरस हैवानियत पर प्रियंका का हमला, कहा यूपी में हद से ज्यादा बिगड़ी कानून व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हाथरस में हैवानियत की शिकार किशोरी की मृत्यु पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है और महिला सुरक्षा का नामओ निशान नहीं है। वाड्रा ने मंगलवार को ट्वीट किया कि, '' हाथरस में हैवानियत झेलने वाली दलित बच्ची ने सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया। दो हफ्ते तक वह अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझती रही। हाथरस, शाहजहांपुर और गोरखपुर में एक के बाद एक रेप की घटनाओं ने राज्य को हिला दिया है। उन्होने लिखा कि, ''यूपी में कानून व्यवस्था हद से ज्यादा बिगड़ चुकी है। महिलाओं की सुरक्षा का नाम-ओ-निशान नहीं है। अपराधी खुले आम अपराध कर रहे हैं। इस बच्ची के कातिलों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि ''उप्र की महिलाओं की सुरक्षा के प्रति आप जवाबदेह हैं।

गैंगरेप पीड़िता की मौत पर गरजा विपक्ष

अखिलेश ने कहा असंवेदनशील सत्ता से अब कोई उम्मीद नहीं बची

लखनऊ, संवाददाता। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हाथरस में दरिंदगी की शिकार दलित लड़की ने करीब 15 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद दुनिया को अलविदा कर दिया। समाज को शर्मसार करने वाली इस घटना के बाद योगी सरकार को निशाने पर लेने वाले विपक्ष ने आरोपियों को जल्द कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। सपा अध्यक्ष ने ट्वीट कर लिखा कि,'' हाथरस की गैंग रेप एवं दरिंदगी की शिकार एक बेबस दलित बेटी ने आखिरकार दम तोड़ दिया। नम आँखों से पुष्पांजलि। आज की असंवेदनशील सत्ता से अब कोई उम्मीद नहीं बची। वहीं सुभासपा संस्थापक ओमप्रकाश राजभर ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि, ''हाथरस गैंगरेप पीड़िता दलित युवती की सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान निधन की खबर अत्यंत दुरूखद है। मेरी पूरी संवेदना पीड़ित के परिजनों के साथ है। उ.प्र.में कानून व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो चुकी है। पिछड़े, दलित वंचित वर्गों के साथ जुल्म और अन्याय बढ़ता जा रहा है। उन्होंने लिखा अब हिंदुओ के ठेकेदारों की आवाज मुह से नही निकलेगी क्योंकि यह दलित हिन्दू थी इस लिए सभी हिन्दू के ठेकेदार मौन धारण किये हुए है। यूपी सरकार एक विशेष वर्ग के हित में काम कर रही है। उसको आम जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। योगी जी दोषियों के खिलाफ जल्द सजा सुनिश्चित करें। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि, यूपी के हाथरस में गैंगरेप के बाद दलित पीड़िता की आज हुई मौत की खबर अति-दुरूखद। सरकार पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता करे व फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर अपराधियों को जल्द सजा सुनिश्चित करे, बीएसपी की यह माँग। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि, हाथरस में हैवानियत झेलने वाली दलित बच्ची ने सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया। दो हफ्ते तक वह अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझती रही। हाथरस, शाहजहांपुर और गोरखपुर में एक के बाद एक रेप की घटनाओं ने राज्य को हिला दिया है। यूपी में कानून व्यवस्था हद से ज्यादा बिगड़ चुकी है। महिलाओं की सुरक्षा का नाम-ओ-निशान नहीं है। अपराधी खुले आम अपराध कर रहे हैं। इस बच्ची के कातिलों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। योगी जी उप्र की महिलाओं की सुरक्षा के प्रति आप जवाबदेह हैं। गौरतलब है कि हाथरस में गैंगरेप की शिकार हुई दलित युवती ने सफदरजंग हॉस्पिटल में सुबह 3 बजे दम तोड़ दिया है। जिले के चंदपा क्षेत्र में 14 सितम्बर को सामूहिक बलात्कार की शिकार पीड़िता की दरिंदो ने रीढ़ की हड्डी तोड़ दी थी और जीभ काट दी थी।

कोविड-19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुए 14 अक्टूबर को 25 राज्य में धरना प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन '(इप्सेफ)' के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्र एवं महामंत्री प्रेमचंद्र ने प्रधानमंत्री से पुनः आग्रह किया है कि इप्सेफकी मांगों पर मिल बैठकर सार्थक निर्णय कराएं।

कर्मचारियों की पीड़ा को समझें। बी पी मिश्रा ने नाराजगी जाहिर की कि सरकार कोविड 19 जैसी वैश्विक गंभीर बीमारी का इलाज करने में स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, नर्सेज, फार्मेसिस्ट, लैब टेक्नीशियन, प्रयोगशाला सहायक, एक्स रे टेक्निशियन, वार्ड ब्वॉय, सफाई कर्मचारी एवं अन्य तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं पर कोई भी ध्यान नहीं दे रही हैं। हजारों की तादाद में अपनी जान भी गंवा चुके हैं परिवार तबाह हो गया है अन्य विभागों के बड़ी संख्या में कर्मचारी संक्रमित हुए हैं हो रहे हैं और तादाद में दिवंगत भी हो गए हैं। ऐसे में मृत कर्मचारियों को 50 लाख रुपए की अनुग्रह धनराशि उनके आश्रित को नौकरी तथा देयो का भुगतान नहीं हो पाया है। प्रेमचंद्र ने चिंता व्यक्त की है कि रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदोन्नति या उत्तर प्रदेश सरकार के अलावा कहीं भी प्रारंभ नहीं की गई है। जबकि सभी राज्य में कई लाख पद रिक्त पड़े हैं। केंद्र सरकार में ही संभवत भर्ती प्रक्रिया रेलवे के अलावा अन्य विभागों में प्रक्रिया नहीं शुरू हुई है उन्होंने दीपावली से पूर्व बोनस देने की मांग की है।

इप्सेफके उपाध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा, अशोक कुमार, डॉ के के सचान, राष्ट्रीय सचिव अतुल मिश्रा, मीडिया प्रभारी सुनील कुमार यादव ने कहा है कि सार्वजनिक निगमों अस्थाई निकायों एवं ऑटोनॉमस बॉडी तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के संवर्गो का पुनर्गठन कर के सातवें वेतन आयोग का पूरा लाभ नहीं मिला है। आंगनवाड़ी ,ठेका आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का भी शोषण बंद नहीं हो पाया है। केंद्र व राज्य सरकारे मौन हैं। इसी वजह से इप्सेफ द्वारा ध्यान आकर्षण हेतु आंदोलन किया जा रहा है। इप्सेफके राष्ट्रीय सचिव अतुल मिश्रा ने बताया कि निजी करण की व्यवस्था को पूरी तौर से बंद करने की मांग की है। सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत बनाने की आवश्यकता है जिससे मोनोपोली ना हो सके। वर्तमान में निजीकरण के विरोध में रेलवे मेन्स यूनियन व विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन को इप्सेफकी बैठक में समर्थन देने का निर्णय लिया गया साथ ही सरकार से यह भी मांग की कि आंदोलनरत संगठनों से वार्ता के माध्यम से हल निकाला जाए और यदि कोई दमनकारी नीति अपनाई जाती है तो इप्सेफपूर्ण रूपेण भागीदारी करने के लिए बाध्य होगा। इप्सेफने कहा है कि रिक्रूटमेंट बोर्ड में राज्यों को भी शामिल किया जाए। अभी तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इसे लागू करने की घोषणा की है जो स्वागत योग्य है। इप्सेफने प्रधानमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

गैंगरेप पीड़िता की मौत पर बरसे राजभर, कहा

अब हिंदुओं के ठेकेदारों की आवाज मुंह से नहीं निकलेगी

लखनऊ, संवाददाता। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हाथरस में दरिंदगी की शिकार दलित लड़की ने करीब 15 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद दुनिया को अलविदा कर दिया। समाज को शर्मसार करने वाली इस घटना के बाद योगी सरकार को निशाने पर लेने वाले विपक्ष ने आरोपियों को जल्द कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। सुभासपा संस्थापक ओमप्रकाश राजभर ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा'' हाथरस गैंगरेप पीड़िता दलित युवती की सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान निधन की खबर अत्यंत दुःखद है। मेरी पूरी संवेदना पीड़िता के परिजनों के साथ है। उ.प्र.में कानून व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो चुकी है। पिछड़े, दलित वंचित वर्गों के साथ जुल्म और अन्याय बढ़ता जा रहा है। उन्होने लिखा '' अब हिंदुओं के ठेकेदारों की आवाज मुंह से नहीं निकलेगी क्योंकि यह दलित हिन्दू थी इस लिए सभी हिन्दू के ठेकेदार मौन धारण किये हुए हैं। यूपी सरकार एक विशेष वर्ग के हित में काम कर रही है। उसको आम जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है। योगी जी दोषियों के खिलाफ जल्द सजा सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि मंगलवार को हाथरस में गैंगरेप की शिकार लड़की ने सफदरजंग हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया है। जिले के चंदपा क्षेत्र में 14 सितम्बर को सामूहिक बलात्कार की शिकार पीड़िता की दरिंदों ने रीढ़ की हड्डी तोड़ दी थी और जीभ काट दी थी। अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कालेज से उसे गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

निधि ग्रोवर 'इण्डियाज मोस्ट इनोवेटिव टीचर अवार्ड' से सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस की शिक्षिका निधि ग्रोवर को शैक्षिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु 'इण्डियाज मोस्ट इनोवेटिव टीचर अवार्ड' से नवाजा गया है। सुश्री ग्रोवर को यह अवार्ड एक प्रतिष्ठित शैक्षिक परामर्श संस्था 'अहा एजुकेशन' के तत्वावधान में प्रदान किया गया तथापि अभी हाल ही में आयोजित एक वर्चुअल सम्मान समारोह में सुश्री ग्रोवर को पाँच हजार रूपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सुश्री ग्रोवर को कोविड-19 के कारण स्कूल बंदी के दौरान विभिन्न ऑनलाइन रचनात्मक व सृजनात्मक शैक्षणिक गतिविधियों द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित करने एवं छात्रों की प्रतिभा को उभारने के अतुलनीय प्रयासों हेतु इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। शैक्षिक क्षेत्र में सुश्री ग्रोवर अपने कठिन परिश्रम एवं 'टीचिंग-लर्निंग' के उच्चस्तरीय मानक स्थापित करने हेतु विशेष रूप से जानी जाती हैं।

बन्द होगें शहीद पथ के अवैध कट लगाये जायेंगे साइनेज बोर्ड

लखनऊ, संवाददाता। मण्डलायुक्त रंजन कुमार के निर्देशन में अपर आयुक्त प्रशासन रण विजय यादव की अध्यक्षता में शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुरक्षित बनाये जाने के सम्बन्ध में एक बैठक मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुयी, जिसमें पुलिस उपायुक्त यातायात पूणेन्द्र सिंह, अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव, आर0टी0ओ0 श्री आर0पी0 द्विवेदी, परियोजना निदेशक एन0एन0 गिरि, अधीक्षण अभियन्ता लो0नि0वि0 जे0के0 बांगा सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा अवगत कराया गया कि चौराहों पर वाहन चालकों द्वारा लेन ड्राइविंग सम्बन्धी उल्लघन करने के कारण बायें या दाहिने दिशा में जाने वाले वाहन भी लेन बाधित होने के कारण अनावश्यक खड़े रहते है तथा वायु प्रदूषण में वृद्धि करते है तथा सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण वाहन चालकों द्वारा अचानक लेन बदलना है इसके लिये यह आवश्यक है कि लेन को परिभाषित करते हुए अंकित किया जायें। उपरोक्त के सम्बन्ध में यातायात पुलिस, परिवहन व एन0एच0ए0आई0 नगर निगम व चॅक् को शहीद पथ व शहर की सड़कों का एक संयुक्त सर्वे कर एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गयें, जिसमें अवैध कट, सर्विस लाइन, चौराहों पर फ्री लेफ्ट टर्न आदि की समीक्षा करते हुए। अपर आयुक्त ने कहा कि चौराहों पर जहां जगह उपलब्ध है वहां पर फ्री लेफ्ट टर्न बनाये जाने, चौराहों पर नो चेन्जिग लाइन के बोर्ड लगवाये जाने, जो भी अनावश्यक कट है उनको बन्द कराया जाने, रोड़ मार्किंग कराये जाने, साइनेज बोर्ड लगवाये जाने हेतु सम्बन्धित विभागों द्वारा कार्यवाही की जायें।

हाथरस रेप केसः पहचान उजागर पर एफआईआर विडियो हटाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने थाना चंदपा, हाथरस में युवती के बलात्कार एवं हत्या मामले में माइक्रो-ब्लॉगिंग साईट ट्विटर पर युवती का नाम लिए जाने, उसके नाम से ट्विटर पर विभिन्न हैशटैग चलाये जाने, उस युवती की दो फोटो शेयर किये जाने आदि के संबंध में विधिक कार्यवाही की मांग की है. थाना गोमतीनगर, लखनऊ को भेजी अपनी तहरीर में नूतन ने कहा कि युवती की फोटो के साथ ही उसकी पहचान को उजागर करते कई विडियो भी यूट्यूब पर डाले गए हैं। उन्होंने कहा कि धारा 228ए आईपीसी के अनुसार रेप पीडिता की पहचान का प्रकटीकरण दंडनीय अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने भी निपुण सक्सेना केस में स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी स्थिति में रेप पीडिता की पहचान नहीं उजागर की जाये। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार से ट्विटर, अन्य सोशल मीडिया एवं इन्टरनेट से उस युवती के नाम, फोटो, विडियो आदि को अविलंब हटवाये जाने की भी मांग की है।

पारिवारिक न्यायालय में परामर्शदाता की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

लखनऊ, संवाददाता। प्रधान न्यायाधीश, जिला जज पारिवारिक न्यायालय लखनऊ जितेन्द्र कुमार सिंह ने सूचित किया कि उच्च न्यायालय के पत्रांक संख्या 7270ध्एड0जी-1ध्2020 इलाहाबाद दिनांकित 09 सितम्बर 2020 के अनुपालन में पारिवारिक न्यायालय में कुल एक परामर्शदाता की नियुक्ति की जानी है, जिसके संबंध में शासनादेश संख्या 102ध्07-न्याय-2-2015-728 न्याय अनुभाग-2 अधीनस्थ न्यायालय लखनऊ दिनांक 18 जून 2015 के द्वारा निम्न अर्हता प्राप्त व्यक्तियों से आवेदन पत्र आंमत्रित किये जाते है। आवेदक समाज शास्त्र या मनोवैज्ञानिक में से किसी एक विषय में से स्नातक की डिग्री रखता हो और समाज सेवा का अनुभवी हों। जो आवेदक सामाजिक कार्य में मास्टर डिग्री धारक हो और पारिवारिक काउन्सिलिंग में दो वर्ष का अनुभव रखता हो उसे वरीयता दी जायेगी, आवेदक की आयु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की दिनांक को 35 से 65 वर्ष के मध्य हो, परामर्शदाता का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा, परामर्शदाता के पद पर नियुक्ति शासकीय सेवा में नियुक्ति नही मानी जायेगी न्यायालय से संविदा के आधार पर सम्बन्ध रहेगें, नियुक्ति परामर्शदाता को शासनादेश के अनुसार नित मानदेय देय होगा, जो पुरूष अथवा मलिा इस पद पर नियुक्त होने के इच्छुक हो, वे अपना आवेदन पत्र अपने शैक्षिक एव अनुभव प्रमाण पत्रों की छाया प्रमि सहित दिनांक 08.10.2020 तक प्रशासनिक कार्यालय पारिवारिक न्यायालय, लखनऊ में पंजीकृत डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रेषित कर सकते है।

वृक्षारोपण समारोह' का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा छात्रों में हरी-भरी धरती के प्रति उत्साह जगाने एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'प्लान्टेशन ड्राइव' का ऑनलाइन आयोजन किया गया। यह समारोह मुख्यतः प्री-प्राइमरी व प्राइमरी के छात्र-छात्राओं हेतु आयोजित किया गया, जिसमें प्री-प्राइमरी के नन्हें-मुन्हें बच्चों ने अपने हाथो से पौधा रोपण किया जबकि शिक्षिकाओं द्वारा छात्र-छात्राओं को पेड़-पौधों के महत्व एवं पौधों की देखभाल से सम्बन्धित जानकारी दी गई। इस अवसर पर लीफ पेन्टिंग, वेजीटेबल पेन्टिंग एवं ड्राइंग आदि विभिन्न रोचक गतिविधियाँ सम्पन्न हुई, जिसमें छात्रों ने बड़े उत्साह से बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया और अपनी बाल सुलभ प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या वीरा हजेला कहा कि यह 'प्लान्टेशन ड्राइव' नन्हें-मुन्हें छात्रों के लिए एक बहुत ही व्यावहारिक व सुखद अनुभव साबित हुआ।

नशा मुक्त भारत अभियान पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक

लखनऊ, संवाददाता। डा0ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम सभागार कलेक्ट्रेट लखनऊ में आज नशा मुक्त भारत अभियान विषय पर जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया, जिसका संचालन समाज कल्याण अधिकारी डा0 अमरनाथ यति द्वारा किया गया। बैठक लखनऊ जनपद में नशा प्रतिबन्ध कैसे हो उस पर चर्चा की गयी, जिलाधिकारी ने विद्यालय, विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के 200 मी0 तक इनकी बिक्री सेवन करने की गतिविधियों पर सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए, जिला प्रोबेशन अधिकारी लखनऊ द्वारा जिलाधिकारी महोदय को बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं अंकित मग, ट्राफी भेट स्वरूप दी गयी। महिला शक्ति केन्द्र लखनऊ महिला कल्याण अधिकारी वर्तिका शुक्लाध्जिला समन्वय पूनम पंथ द्वारा बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं डायरी जिलाधिकारी महोदय को सम्मानपूर्वक दी गयी।

उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से 63 और की मौत, 4,069 नए मामले सामने आए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 63 और मरीजों की मौत हो गई तथा 4,069 नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान 63 और मौतों के साथ राज्य में कोविड-19 संक्रमण से मरने वालों की तादाद बढ़कर 5,715 हो गई है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में राज्य में 4,069 नए मरीजों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की गई है। राज्य में इस वक्त कोविड-19 के 52,160 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। प्रसाद ने बताया कि सूबे में अब तक कुल 3,94,856 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें से 3,36,981 मरीज पूरी तरह ठीक हो चुके हैं।

गैंगरेप पीड़िता की मौत पर माया ने जताया दुख, कहा- पीड़ित परिवार की हर संभव मदद करे सरकार

लखनऊ, संवाददाता। हैवानियत का शिकार हुई हाथरस गैंगरेप पीड़िता की दिल्ली के सफदरजंग हास्पिटल में मौत हो गई। दलित युवती की मौत पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने दुख जाहिए किया है। उन्होंने सरकार से मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की अपील की है। मायावती ने ट्वीट कर कहा, 'यूपी के हाथरस में गैंगरेप के बाद दलित पीड़िता की आज हुई मौत की खबर अति-दुःखद। सरकार पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता करे व फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर अपराधियों को जल्द सजा सुनिश्चित करे, बीएसपी की यह माँग।'गौरतलब है कि हाथरस में गैंगरेप की शिकार लड़की ने सफदरजंग हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया है। जिले के चंदपा क्षेत्र में 14 सितम्बर को सामूहिक बलात्कार की शिकार पीड़िता की दरिंदों ने रीढ़ की हड्डी तोड़ दी थी।

जसरा में कोटे आवंटन के लिए हुई खुली बैठक

धांधली को लेकर वीडियो का किया गया घेराव, ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज। विकास खंड कार्यालय जसरा में ग्राम पंचायत कंजा सा उपहार में उचित दर मूल्य की दुकान के चयन के लिए आयोजित बैठक में चयन को लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने कोटे में लगाया धांधली का आरोप। सोमवार को विकास खंड कार्यालय जसरा में ग्राम पंचायत कंजासा उपहार में कोटा आवंटन के लिए हुई खुली बैठक में एक समूह के 4 प्रतिनिधि को कोटा आवंटित किया गया। लोगों का आरोप है की आवंटित कोटे के प्रतिनिधियों के पास कोई निश्चित दस्तावेज नहीं थे।तथा प्रतिभागी काउंटिंग अधिकारी अमरेश सिंह सेक्रेटरी, एडीओ पंचायत के द्वारा मनमानी

तरीके से काउंटिंग कराने का आरोप लगाया। ब्लॉक मुख्यालय पर पहुंचे गांव के दर्जनों लोगों ने पहली बैठक को निरस्त किए जाने की मांग करते हुए दूसरी बैठक कराकर सही तरीके से दस्तावेज के आधार पर पुनः चुनाव कराए जाने की मांग की है।साथ ही सभी समूह को भी सूचित किए जाने तथा जो भी कार्रवाई हो वह दस्तावेजों के आधार पर हो। पुरुष वर्ग को काउंटिंग से बाहर किए जाने को लेकर समानता के अधिकार को समाप्त किए जाने का भी आरोप लगाया है । लोगों का कहना है कि चयनित समूह जय मां काली को ज्यादा नंबर मिला। जिसमें जय मां काली समूह की संचालिका के रूप में सीमा देवी का चयन किया गया लेकिन सीमा देवी जय मां काली समूह की महिला नहीं है । तथा जय मां काली समूह से नहीं जुड़ी है। अधिकारियों द्वारा गलत चुनाव कराया गया है। तथा प्रतिद्वंदी समूह के रूप में सरस्वती समूह के लोगों को जबरन हाथ पकड़ कर जय मां काली समूह के तरफ काउंटिंग कराए जाने का आरोप भी लगाया।फूलन देवी सेवा समूह ,शनि देव समूह के साथ जबरन काउंटिंग कराया। उप जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन एडीओ पंचायत राम सुमेर यादव को सौंपा गया। तथा कोटा चयन में हुई धांधली को लेकर पुनः बैठक करा कर कोटा चयन की मांग की है। फोटो साथ में भेजी जा रही है।

न्यायिक अधिष्ठान के सभी न्यायालय 30 सितम्बर तक रहेंगे बन्द

बस्ती। जनपद न्यायाधीश अमरजीत त्रिपाठी ने बताया है कि न्यायिक अधिष्ठान के अधिकारी-कर्मचारीगण को सम्मिलित करते हुए 09 व्यक्तियों की कोविड-19 से संक्रमित होने की स्थिति में कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण के रोकथाम हेतु न्यायिक अधिष्ठान के समस्त न्यायालयों/कार्यालयों को 30 सितम्बर 2020 तक बन्द कर दिया गया है। उन्होने बताया कि न्यायिक अधिष्ठान के न्यायालय सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायालय (एससी/एसटी एक्ट), विशेष न्यायालय (ईसी एक्ट), विशेष न्यायाधीश अनन्य न्यायालय (पाक्सो एक्ट), विशेष न्यायालय (गैंगेस्टर एक्ट), विशेष न्यायालय (एनडीपीएस एक्ट), मुख्य न्यायिक मजिस्टेज्ट, सिविल जज (सी0डि0), सिविल जज (जू0डि0), सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद में न्यायालय वीडियों कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से कार्य करने हेतु संचालित रहेंगे। उन्होने कहा कि दिनॉक 29 एवं 30 सितम्बर 2020 को नियत वादों की सुनवाई 29 एवं 30 अक्टूॅबर 2020 को की जायेंगी।

पी.सी.एस. में चयनित रजत का अभिनन्दन 30 को

बस्ती। यू.पी. पी.सी.एस. में चयनित रजत पाण्डेय का 30 सितम्बर बुधवार को प्रेस क्लब में नागरिक अभिनन्दन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुये आयोजक शिवहर्ष पी.जी. कालेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल तिवारी ने बताया कि प्रेस क्लब में दिन में 11 बजे से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य सफल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करना है जिससे नई पीढी उनसे प्रेरणा लें।

रहीमाबाद चौराहा से दरोगा की चक्की होते पैदल मार्च

मलिहाबाद लखनऊ जिले के एसएसपी के दिशा निर्देश आदेश पर थाना प्रभारी चिरंजीव मोहन ने चौकी पर तैनात एसआई राजमणि पाल वाह हमराही अमरेश चौहान ओम प्रकाश यादव अनूप अन्य कांस्टेबलों के साथ लेकर रहीमाबाद चौराहा से दरोगा की चक्की होते हुए कस्बा पैदल मार्च एवं गस्त हुए नजर आ रहे हैं।

गौ आश्रय केन्द्र बना मुख्य मार्ग दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण

बारा,प्रयागराज। बरसात बीतने को आया लेकिन किसान की समस्या कम होने का नाम नही ले रही है। किसान हो या आम नागरिक ज्यादातर लोग अपने पशुओ को आवारा छोड़ देते है। जो उन्ही के लिए सबसे बडे संकट बनते जा रहे है। जब तक गाय दूध देती है तो ठीक नही इसके बाद पशुपालक बेसहारा छोड़ देते है। ऐसे बेसहारा गौवशों का आश्रय स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग या मुख्य मार्ग बना हुआ है। जहाँ गौवशं कीचड़ मच्छर से बचने का ठिकाना मुख्य मार्गो को बना लेते है। यही हाल प्रयागराज जिले के बारा तहसील के अंतर्गत सभी ग्रामिण क्षेत्रो के मुख्य मार्गो के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग के नारीबारी, बसहरा, लालापुर, कंजासा, गौहनिया, जसरा, कौधियारा, जारी, भारत नगर, चौकठा, शिवराजपुर आदि जगहों की है। जिसके कारण प्रतिदिन कई दुर्घटनाऐं घट रही है। कही बाईक सबार दुर्घटना ग्रस्त हो रहे तो कही गौवंश खुद बडे बाहनो के शिकार बन कर वे मौत मर रहे आखिर इसका जिम्मेवार कौन? जाहिर सी बात है लापरवाही तो गौवशं पालको की है। लेकिन आवारा गौवशं इतनी बड़ी समस्या बन चुके है कि विना सरकार के सहयोग से निवारण नही हो सकते। सरकार ने कई पशु आश्रय केन्द्र खोल रखे है। लेकिन ज्यादातर केवल कागजो पर खानापूर्ती कर रहे है। हकीकत मे इनकी स्थिति बद से बदतर है। प्रशासनिक लापरवाही कहे या भ्रष्टाचार का खेल लेकिन इससे गौवशं और आम नागरिक दोनो असुरक्षित है। सरकार और किसान दोनो को इस ओर गम्भीर होना पड़ेगा।

अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संस्थान के विकास दुबे को तहसील महासचिव युवा प्रकोष्ठ मेजा बनाया गया

मांडा/प्रयागराज। मांडा ब्लाक के ग्राम सभा बभनी हैठार के विकास कुमार दुबे को अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संस्थान का मेजा तहसील महासचिव युवा प्रकोष्ठ नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उनके समर्थक उनके आवास पर पहुंचकर बधाईया देने बालू का ताता लगा रहा। बिकास दुबे ने कहा हम निष्ठा पूर्व अपने कर्तब्य का पालन करूँगा जिसमें मुख्य रूप से देवेंद्र दुबे, अभिषेक दुबे ,विकास मिश्रा, अनिल मिश्रा, प्रियांशु पांडेय आदि लोगों ने घर पहुंचकर इस शुभ अवसर पर बधाई दी।

बजरंगबली मंदिर में पूजा अर्चना के साथ साथ समस्त क्षेत्र वासियों के लिए सदैव स्वस्थ रहने की कामना की गयी

रुद्र प्रताप सिंह मलिहाबाद लखनऊ। बीते कुछ दिन पहले ग्राम पंचायत खड़ता ग्राम प्रधान अरजीत कुमार मौर्य की रिपोर्ट कोरोना पॉजटिव आयी थी।

जिनका उपचार एक निजी हॉस्पिटल मे चल रहा है प्रधान जी ने अपने आसपास के लोगों के लिए यह भी अपील की जो लोग हमारे संपर्क में आए अगर उनको किसी भी प्रकार की दिक्कत लग रही हो तो वह शीघ्र ही अपनी जांच करवा लें जिससे यह वैश्विक महामारी अन्य लोगों में फैलने ना पाए प्रधान जी के शीघ्र स्वास्थ्य होने के लिए आज अटौरा के सामाजिक कार्यकर्ता गण गांव के पास बने बंजरंग बली के मन्दिर में पूजा अर्चना के साथ सुन्दर कान्ड का पाठ किया गया। जिसमे काफी संख्या में लोग एकत्रित रहें जिसमें मलिहाबाद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामगोपाल यादव आयोजक समाजसेवी विनय प्रताप सिंह पिंटू यादव अमर सिंह छेटेलाल हरिशंकर तिवारी आशीष कुमार वर्मा तथा गांव के समस्त सम्मानित साथियों ने मिलकर समस्त क्षेत्र वासियों की सदैव स्वस्थ रहने की प्रार्थना की और लम्बी दीर्घायु के लिए कामना की जिससे आसपास क्षेत्र में खुशहाली बानी रहे।

नमामि गंगे स्वक्षता अभियान से चेहरा व बामपुर गंगा घाट का किया गया सफाई

मिर्जापुर। जिगना अंतर्गत नमामि गंगे स्वक्षता अभियान चेहरा और बामपुर गंगा घाट का सफाई अभियान चलाया गया ।भारतीय पत्रकार हिंदुस्तान के सुभाष चन्द्र ओझा ने कहा सदियों से गंगा माता हमारे लिए पूज्यनीय है लोग इनकी पूजा करते है गंगा का पानी निर्मल और स्वक्ष रहता है गंगा सफाई करना अति आवश्यक है लोगो से अपील किया है कि गंगा घाट को हमेशा स्वक्ष रखे और गांव चेहरा के ग्राम प्रधान दुर्गावती देवी पत्नी राम शंकर सरोज और उसके भाई

गंगा निर्मल स्वच्छता अभियान के तहत छानबे अनूसूचित जाति मुर्छा अध्यक्ष विजेपी दया शंकर सरोज राम साहारे सरोज रामेश्वर प्रसाद तिवारी राम सुरेश तिवारी रज्जन सरोज विवेक कुमार सरोज राजेंद्र कुमार प्रजापति हिरा लाल वर्मा राजेश कुमार प्रजापति गणेश कुमार वर्मा रमा शंकर आदि लोग उपस्थित रहे।

नाव द्वारा यात्रियों के साथ ठेकेदार द्वारा जान जोखिम मे डाल कर उतारते हैं नाव से पार

प्रयागराज। लालापुर थाना अंतर्गत प्रतापपुर घाट पर लोगों कि जान जोखिम में डालकरबोट द्वारा प्रतापपुर घाट से कौशांबी नंदा का पुरवा घाट पर उतारते हैं। जब कि शासन द्वारा लोगों को उतारने के लिए स्ट्रीमर की व्यवस्था की गई है। लेकिन ठेकेदार द्वारा स्ट्रीमर से न उतार कर बोट से उतारा जाता है और वोट में इस तरह लोगों को बैठा कर उतारा जाता है कि किसी समय कोई भी दुर्घटना हो सकती है जिला पंचायत अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं अगर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी समय बहुत बड़ी घटना सकती है जमुनापार तरहार क्षेत्र का द्वावा क्षेत्र का अटूट संबंध सदियों से चला आ रहा है। जहां प्रत्येक दिन हजारों की संख्या में लोगों का आवागमन वना

रहता है। सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए स्थाई रूप से जब तक पुल नहीं बन जाता हैं । तब तक के लिए स्टीमर से लोगों को जमुनापार कराने के लिए शासन द्वारा व्यवस्था करायी जाय। सिर्फ वहाँ पर सो पीस बनी स्ट्रीमर खड़ी कर रखें है। आम लोगों को उससे नहीं उतारा जाता आम लोगों को नाव द्वारा उतारा जाता है। परंतु ठेकेदार के आगे उस पार उतरने वाले सब आदमी नतमस्तक हैं। नाविक लोगों की जान जोखिम की परवाह न करते हुए मनमानी रुप से नाव में सवारी भरकर पार उतारते हैं। उक्त गांव के लोग भड्डे तिवारी, अबरार अहमद, अवधेश तिवारी,ने उपजिलाधिकारी महोदय से अनुरोध है कि इस प्रकरण को संज्ञान में लेने की कृपा करें। जिससे कि ठीकेदार की मनमनी से पर रोक लग सके,और अप्रिय घटना होने से बच सके।और भविष्य में कोई घटना न घट सके।यही सभी क्षेत्र वासियों का निवेदन है।

तमंचा 315 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार

बस्ती। पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में जिले में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष कप्तानगंज विकास यादव मय टीम द्वारा बहद ग्राम टिकरिया थाना कप्तानगंज के पास से थाने का टॉप टेन अपराधी राम सुधार चौधरी पुत्र जेदू चौधरी निवासी टिकरिया थाना कप्तानगंज जनपद बस्ती उम्र 24 वर्ष को एक अदद तमंचा 315 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ समय 05.10 बजे सुबह गिरफ्तार कर थाना कप्तानगंज पर मु0अ0स0 180/2020 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया।

फिट इंड़िया मूवमेंट का राज्य स्तरीय वर्चुअल समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ

प्रयगराज। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मनाए जा रहे स्वर्ण जयंती महोत्सव के अंतर्गत फिट इंडिया मूवमेंट का राज्य स्तरीय वर्चुअल समारोह 26 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया। जिस के मुख्य अतिथि राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की प्रो वाइस चांसलर प्रो.वाई विमला एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक श्रोती ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. अंशुमाली शर्मा ने किया तथा संचालन बदायूं जिले के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने किया। उद्घाटन के बाद काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ चिन्मय राय के सौजन्य से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने लक्ष्य गीत गाया। प्रथम सत्र में प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक डॉ. भगत सिंह ने सूर्य

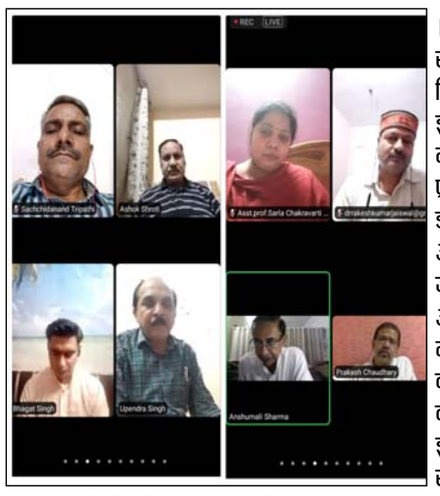

नमस्कार के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष को सबके सामने रखा ।उन्होंने सूर्य नमस्कार को दो भागों में विभक्त कर उसके योग पक्ष की महत्ता को उजागर किया। दूसरे सत्र में यूनिसेफ के न्यूट्रिशन एक्सपर्ट डॉ रवीश शर्मा ने संतुलित भोजन, पौष्टिक आहार, मिनिरल्स ,विटामिन आदि के समुचित सेवा के द्वारा स्वस्थ रहने की विधि बताई ।तीसरे सत्र में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा की गई जिसमें मुस्कुराएगा इंडिया एक पहल की मनोचिकित्सक एवं प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉक्टर नीलम बेहरे ने आनंद पूर्वक जीवन जीने की कला सिखाई अतिथियों का परिचय मेरठ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वीरेंद्र सिंह, मुस्कुराएगा इंडिया के प्रदेश सहसंयोजक डॉ.प्रकाश चौधरी, बुलंदशहर के जिला नोडल अधिकारी विवेकानंद डे व एकता चौहान ने देते हुए सभी का स्वागत किया ।अपने सारगर्भित उद्बोधन में प्रो.मनोज दीक्षित ने प्राचीन सभ्यता ,संस्कृति एवं दर्शन पर प्रकाश डालते हुए भारतीय जीवन शैली की श्रेष्ठता को सिद्ध किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित वही क्षेत्र हैं जहां पर भारतीयता के स्थान पर पश्चिमी संस्कृति को वरीयता प्रदान की गई। सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उत्तर प्रदेश के राज्य संपर्क अधिकारी डॉ.अंशुमाली शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अपने 50 वर्षों की यात्रा ने विविध प्रकार के आयाम और कीर्तिमान को स्थापित किया । जो आज राष्ट्र और समाज के लिए सर्वाधिक प्रासांगिक हो गया है। समारोह में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयक यथा डॉ. सोमपाल सिंह, डॉ. बाला लखेंद्र, डॉ. रामवीर सिंह चौहान, डॉ. समीर सिन्हा , डॉ. राकेश कुमार यादव और डॉ.उपेंद्र कुमार सिंह कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. रीता सिंह, डॉ. शबाना साजिद, डॉ. सच्चिदानंद त्रिपाठी कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा, प्रयागराज एवं जिला नोडल अधिकारी, प्रयागराज सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हाथरस में दलित नाबालिग बेटी की गैंग रेप के बाद आज हुई दुःखद मौत प्रदेश की कानून व्यवस्था एवं योगी सरकार पर कलंकः अजय कुमार लल्लू

■ यह वीभत्स काण्ड की योगी सरकार की अपराधी, अधिकारी और सरकार के गठजोड़ का परिणाम है ऐसे में इस पूरे प्रकरण की फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर दोषियों को अविलम्ब सजा दिलायी जाए- अजय कुमार लल्लू ■ कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी जी ने की पीड़ित परिवारजनों से फोन पर बात, शीघ्र ही उनके घर जायेंगीं- अजय कुमार लल्लू ■ हाथरस की यह घटना निर्भया काण्ड के समान, समय से योगी सरकार समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराती तो बचाई जा सकती थी दलित बेटी की जान- सुप्रिया श्रीनेत ■ मृतक दलित बेटी के परिजनों को कम से कम 50 लाख रूपये आर्थिक अनुदान, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा हाईकोर्ट के सिटिंग जज से पूरे मामले की जांच कराई जाए- आराधना मिश्रा 'मोना'

लखनऊ। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी ने आज वर्चुअल प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए जनपद हाथरस में दलित बेटी के साथ गैंगरेप एवं दरिन्दगी के बाद आज जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष में जंग हार गयी। आज का दिन बहुत दुःखद है जब यूपी की एक और दलित बेटी हैवानियत का शिकार होकर जिन्दगी की जंग हार गयी। कांग्रेस पार्टी संवेदना व्यक्त करती है और पीड़ित परिजनों के साथ खड़ी है। उन्होने कहा कि आज उ0प्र0 में अपराध सिर चढ़कर बोल रहा है। जंगलराज एवं गुण्डाराज कायम हो चुका है, यह अधिकारी, अपराधी और सरकार के गठजोड़ का भयावह परिणाम है। उन्होने उ0प्र0 की हाल में हुए महिलाओं के प्रति गैंगरेप, बलात्कार एवं हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 15अगस्त को लखीमपुर में 13 वर्षीय दलित नाबालिक बच्ची के साथ गैंगरेप और हत्या-जीभ तक काट दी गयी, इसी दिन लखनऊ के गुडम्बा में किशोरी से गैंगरेप के बाद तेजाब फेंका और मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में गैंगरेप के बाद सिगरेट से दागा गया। 16अगस्त को लखीमपुर के ईसानगर में गैंगरेप और हत्या, 17अगस्त को गोरखपुर में दलित बेटी के साथ गैंगरेप और बर्बर हत्या, 26अगस्त को लखीमपुर में ऑनलाइन फार्म भरने जा रही बेटी का रेप के बाद नृशंस हत्या, 29अगस्त को मथुरा में चलती बस में रेप एवं कौशाम्बी में गैंगरेप, 1सितम्बर को मथुरा में 8साल की बच्ची के साथ रेप के बाद हत्या, 02 सितम्बर को लखनऊ में 5 साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या, 3 सितम्बर को बरेली के सर्वोदय नगर में 11वीं की नाबालिग छात्रों के साथ गैंगरेप, 4 सितम्बर को कौशाम्बी में नाबालिग के साथ रेप व हत्या, इसी दिन लखीमपुर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या तथा अयोध्या में बस में रेप और 14सितम्बर को हाथरस में घटी इस वीभत्स घटना में एक बेटी को न्याय दिलाने के बाद 8 दिनों तक एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई और मामले को छिपाने का काम किया। सरकार बताये कि वह किसको बचाना चाहती है। उन्होने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं पर पर होने वाले अपराधों में 20प्रतिशत का इजाफा हो रहा है और लगभग 11 बलात्कार की घटनाएं औसतन प्रतिदिन हो रही हैं। उन्होने

महामहिम राज्यपाल से सीधा प्रश्न करते हुए कहा कि वह उ0प्र0 की कानून की दुर्व्यवस्था पर चुप क्यों हैं? आखिर महिलाओं पर लगातार हो रहे अत्याचार पर उनका एक भी बयान क्यों नहीं आया? उनकी चुप्पी का राज क्या है? वह बतायें कि प्रदेश में कोई महिला सुरक्षित नहीं है ऐसे में वह किसके साथ खड़ी हैं- अन्यायी सरकार के साथ या प्रदेश की जनता के साथ। उन्होने कहाकि मुख्यमंत्री ने सदन में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का वादा किया था उस वादे का क्या हुआ? उन्होने कहा कि यह वीभत्स काण्ड योगी सरकार की अपराधी, अधिकारी और सरकार के गठजोड़ का परिणाम है ऐसे में इस पूरे प्रकरण की फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर दोषियों को अविलम्ब सजा दिलाये । उन्होने कहाकि कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी जी ने पीड़ित परिवारजनों से फोन पर बात की है वह शीघ्र ही उनके घर भी जायेंगी।

वर्चुअल प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए अ0भा0 कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 8 दिनों तक पीड़िता की एफआईआर दर्ज नहीं की गयी और पीड़िता को समुचित इलाज के लिए एयरलिफ्ट करके एम्स भी नहीं ले जाया गया जो सरकार की संवेदनहीनता दर्शाती है। सरकार अपराधियों को लगातार बचाती रही और सरकार आधिकारिक तौर पर घटना को फर्जी बताती रही। मुख्यमंत्री जी के सूचना सलाहकार घटना को लगातार फेक न्यूज साबित करने में जुटे रहे। उन्होने योगी आदित्यनाथ से पूछा कि आखिर इस घटना पर वे चुप क्यों हैं? बात-बात पर ट्वीट करने वाले उ0प्र0 के सांसद एवं देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी इस वीभत्स एवं दुःखद घटना पर मौन क्यों हैं? उन्होने तमाम महिला संगठनों, अभिनेत्रियों तथा बाल विकास मंत्री को घेरते हुए कहा कि यह लोग चुप क्यों हैं? कहां लुप्त हैं? इस घटना पर भाजपा का मौन बीजेपी का दोगलापन और दोहरी नीति दर्शाती है। उन्होने कहा कि जब तक ऐसे अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिलेगी तब तक अपराध बन्द नहीं होंगे। उन्होने कहा कि दलित शोषित समाज से आने के कारण ही सरकार ने उचित इलाज मुहैया नहीं कराया, न्याय नहीं मिलने दिया और मुआवजा भी नहीं दिया। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा'मोना' ने प्रेसवार्ता में इस घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का दोहरा चेहरा बेनकाब हो गया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली इस सरकार के तीन सालों में अन्याय चरम पर पहुंच गया है और निर्भया काण्ड की पुनरावृत्ति हुई है। उन्होने कहा कि वह इस घटना को लेकर सड़क से सदन तक लड़ेंगी और पीड़िता को न्याय दिलायेंगी। उन्होने योगी सरकार को जनता द्वारा दिये गये व्यापक जनमत का अपमान बताया। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा स्वयं प्रेसविज्ञप्ति जारी कर पीड़िता के मेडिकल रिपोर्ट में कोई गंभीर चोट न होना बताया जाना सरकार की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

एनसीबी द्वारा अभिनेत्रियों से पूछताछ की उपयोगिता

पिछले एक माह से एनसीबी के अधिकारियों द्वारा भूतकाल में कुछ अभिनेत्रियों द्वारा मादक द्रवों के लेने संबंधी जानकारी के लिए स्वयं उनसे, उनके मित्रों एवं उनके स्टॉफ से जिस तरह जानकारी एकत्रित की जा रही है उससे भ्रम होने लगता है कि भारत से मादक पदार्थों की तस्करी एवं व्यवसाय करने वाली बड़ी मछलियां समाप्त हो चुकी हैं, इसलिए खाली बैठे अधिकारियों को यह नया काम सौंप दिया गया है। इसलिए एनसीबी के वार्षिक प्रतिवेदन पर एक नजर डालना जरूरी हो जाता है। एनसीबी अर्थात नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की स्थापना 1986 में एनडीपीएस एक्ट 1985 के अंतर्गत निषिद्ध मादक पदार्थ घोषित वस्तुओं के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, आयात, निर्यात एवं उपयोग को नियंत्रित करने हेतु पदार्थ जब्ती की कार्रवाई एवं कानूनी कार्रवाई किए जाने हेतु की गई थी। एनडीपीएस कानून के अनुसार इन मादक द्रवों व पदार्थों का सक्षम चिकित्सक की लिखित सलाह पर ही औषधि के रूप में निर्दिष्ट मात्रा में सेवन किया जा सकता है। एनसीबी मादक पदार्थों के नियंत्रण व नियामन की भारत की शीर्ष एजेंसी है। एनसीबी के अलावा केन्द्र सरकार का सीएनबी, राजस्व गुप्तचर विभाग, केन्द्रीय तटकर एवं उत्पादन शुल्क विभाग, तथा राज्य सरकारों के पुलिस विभाग एवं आबकारी विभाग को भी एनडीपीएस कानून के तहत मादक पदार्थ संबंधी कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों पर जुर्म दर्ज कर मादक पदार्थों की जब्ती का अधिकार प्राप्त होने से वे भी कर्तव्य का निर्वाह भलीभांति करते हैं। लेकिन इन सरकारी विभागों द्वारा किया गया कार्य भी एनसीबी के खाते में ही दर्ज होता है। एनसीबी द्वारा 2019 में जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018 में मादक पदार्थों के जब्ती के 47,447 प्रकरण दर्ज किए गए थे। इनमें से 45,775 जब्तियां राज्यों के पुलिस विभाग ने की थी तथा 1121 जब्तियां राज्यों के आबकारी विभाग द्वारा की गई थी। जबकि एनसीबी ने मात्र 424 जब्तियां की थीं। इस प्रकार कुल जब्तियों का 96 प्रतिशत जब्तियां राज्य सरकारों के पुलिस विभाग तथा 2 प्रतिशत जब्तियां राज्यों के आबकारी विभाग द्वारा की गई थी।

एनसीबी द्वारा जब्ती के दर्ज प्रकरण एक प्रतिशत से भी नीचा था। एक दिलचस्प बात यह है कि मुंबई स्थित एनसीबी के क्षेत्रीय कार्यालय की तुलना में मुंबई की पुलिस द्वारा की गई जब्तियों के प्रकरण एवं जब्त किए मादक पदार्थों की मात्रा कई गुना अधिक थी। एनसीबी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015 में जब्ती के प्रकरण 27,231 थे जो वर्ष 2017 में बढ़कर 47,344 जा पहुंचे, इस प्रकार दो साल में जब्ती मात्रा में 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वर्षवार आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2013 से 2018 की 6 साल की अवधि में जब्ती के सबसे अधिक प्रकरणों की सबसे अधिक संख्या 47,447 वर्ष 2018 में थी जबकि जब्त की गई मात्रा 360 हजार किलोग्राम वर्ष 2017 में थी जो वर्ष 2015 की गई जब्ती की मात्रा 100 हजार किलोग्राम के तिगुना से भी अधिक थी। 2013 से 2015 तक हर साल लगभग 1 लाख किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए जाते थे, जो 2017 में 3.60 लाख हजार तक जा पहुंचा। इस प्रकार पिछले पांच साल में मादक पदार्थों की अन्य देशों से तस्करी भी बढ़ी है और देश के अन्दर भी आवाजाही और उपयोग बढ़ा है। वर्ष 2018 में जब्त की गई मादक पदार्थों की मात्रा 320 हजार किलोग्राम थी। यद्यपि ये आंकड़े मादक पदार्थों की जब्ती के संबंध में है किंतु इससे एक निष्कर्ष यह निकाला जा सकता है कि इनके उपभोग में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2018 में सबसे अधिक गांजा व भांग की मात्रा 315 हजार किलोग्राम जब्त की गई। जब्त किए गए अन्य मादक पदार्थों की मात्रा इस प्रकार थी रू चरस 3899 किलोग्राम, अफीम 1177 किलोग्राम, हेरोइन 248 किलोग्राम जब्त की गई। गांजा-भांग जब्ती के प्रकरणों की संख्या 24,429 थी, जबकि अफीम के 3957 हेरोइन 904 चरस 2984 एसीटेट एनहाइड्रेट के 2984 जब्ती प्रकरण दर्ज हुए थे भारत में पश्चिमी अफ्रीकी देशों से विभिन्न तरीकों से मादक पदार्थ तस्करी करके लाए जाते हैं।

पाकिस्तान की सीमा से हेरोइन की तस्करी करके जम्मू-कश्मीर व पंजाब लाई जाती है। नेपाल से काफी मात्रा में चरस की तस्करी होती है। पिछले 5 साल में गांजा भांग की सबसे अधिक जब्ती आन्ध्रप्रदेश और ओडिशा की गई है जबकि अफीम की जब्ती पंजाब व राजस्थान राज्यों में की गई। चरस की सबसे अधिक जब्ती उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश में कोकीन की जब्ती दिल्ली में की गई। एनसीबी के शीर्ष अधिकारी डायरेक्टर जनरल का मुख्यालय दिल्ली में है। एनसीबी में उच्च पदों पर प्रतिनियुक्ति में आए दो तिहाई अधिकारी अखिल भारतीय पुलिस सेवा और एक तिहाई अधिकारी राजस्व सेवा से आते हैं। एनसीबी के 12 क्षेत्रीय कार्यालय हैं तथा कार्यालयों के अंतर्गत कुल मिलाकर 13 उपक्षेत्रीय कार्यालय है। एनसीबी से अपेक्षा की जाती है कि खुफिया तरीके से पता लगाते हुए बड़ी मछलियों को कस्टडी में लेकर का मादक पदार्थों को जब्त करे। जब्ती के बाद में वह प्रेस विज्ञप्ति जारी करके या पत्रकार वार्ता द्वारा प्रकरण को जनता के ज्ञान में लाती है। इसलिए तस्करों के पकड़े जाने व मादक पदार्थों की जब्ती के पूर्व पत्रकारों को कानोंकान खबर नहीं होती है। एनसीबी हजार पांच सौ ग्राम मादक पदार्थों की जब्ती सरीखा छोटा-मोटा काम राज्य के आबकारी अधिकारियों को निबटने के लिए दे देते हैं। मुंबई में पिछले एक माह से फिल्मी हस्तियों के फोन खंगालने एवं उनसे पूछताछ का काम जो एनसीबी कर रही है, उससे अभी तक किसी बड़े तस्कर या बड़े मादक पदार्थ व्यवसायी के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।एनसीबी को भलीभंति जानकारी थी कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच कर रही है जो कि अभी पूरी नहीं हो पाई है, क्योंकि रिया चक्रवर्ती द्वारा सुशांत सिंह की बहनों एवं जीजा के विरूद्ध मुंबई पुलिस में दर्ज एफआईआर पर सीबीआई जांच अगले सप्ताह प्रारंभ करेगी। एनसीबी ने जांच शुरू होने के पहले ही मादक पदार्थ लेने के आरोप में रिया और उसके भाई को जेल में डाल दिया है। एनसीबी फिल्मी सितारों के मादक द्रव लेने की पूछताछ अपने डायरेक्टर जनरल राकेश अष्ठाना के निर्देश एवं मार्गदर्शन पर कर रहे हैं। राकेश अष्ठाना 1984 बैच के गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के प्रिय विश्वस्त पुलिस अधिकारी माने जाते हैं। यही कारण है केन्द्र सरकार के दो महत्वपूर्ण विभागों बार्डर सिक्योरिटी फोर्स व एनसीबी के वे डायरेक्टर जनरल का पद संभाल रहे हैं। समझ में नहीं आता कि यदि सुशांत सिंह राजपूत की महिलामित्र रिया चक्रवर्ती द्वारा बताई गई अभिनेत्रियों ने यदि भूतकाल में मादक द्रव लेना कबूल भी कर लिया तो उस जानकारी से एनसीबी क्या हासिल करना चाहती है?

सम्पादकीय

जेपी से अण्णा

उन्नीसवीं सदी के महान आदर्शवादी दार्शनिक हेगेल का फिलॉसाफी आफ राइट नामक किताब का चर्चित कथन है कि मिनर्वा का उल्लू तभी अपने पंख फैलाता है, जब शाम होने को होती है- कहने का तात्पर्य दर्शन किसी ऐतिहासिक परिस्थिति को तभी समझ पाने के काबिल होता है, जब वह गुजर गई होती है। अपनी अतीत की गलतियों की तहेदिल से आलोचना करना, साफगोई के साथ बात करना, यह ऐसा गुण है, जो सियासत में ही नहीं बल्कि सामाजिक जीवन में भी इन दिनों दुर्लभ होता जा रहा है। इसलिए अग्रणी वकील एवं नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जनाब प्रशांत भूषण ने अपनी अतीत की गलतियों के लिए जब पश्चाताप प्रगट किया तो लगा कुछ अपवाद भी मौजूद हैं। दरअसल इंडिया टुडे से एक साक्षात्कार में उन्होंने इंडिया अगेन्स्ट करप्शन आन्दोलन जिसका चेहरा बन कर अण्णा हजारे उभरे थे- जिसकी नेतृत्वकारी टीम में खुद प्रशांत शामिल थे- को लेकर एक अनपेक्षित सा बयान दिया। उनका कहना था कि यह आन्दोलन संघ-भाजपा द्वारा संचालित था। ईमानदारी के साथ उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें अगर इस बात का एहसास होता तो वह तुरंत अण्णा आन्दोलन से तौबा करते, दूर हट जाते। विडम्बना ही है इतने बड़े खुलासे के बावजूद छिटपुट प्रतिक्रियाओं के अलावा इसके बारे में मौन ही तारी है या बहुत कमजोर सी सफाई पेश की गयी है। इस सूचक मौन के क्या निहितार्थ हो सकते हैं ? क्या वह सब इस बात से सहमत हैं कि सभी संघ के गेम प्लान का शिकार बन गए थे या सोचते हैं कि अब लगभग एक दशक पुरानी हो चुकी इस बात का क्या पोस्टमार्टम किया जाए ! निश्चित ही यह बात पहली दफा नहीं उठी है। गौरतलब है कि यह आन्दोलन जब अपने उरूज पर था तब दिग्विजय सिंह जैसे कांग्रेस के अग्रणियों ने, कई वामपंथी एवं अन्य सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने यहां तक कि कई पत्रकारों ने इसके बारे में खुलासे किए थे, मगर उनकी अनदेखी की गयी थी। मिसाल के तौर पर उन दिनों तहलका में लिखते हुए इफ्तिखार गिलानी ने यह सवाल पूछा था कि इज आरएसएस रनिंग द अन्ना शो? उनके मुताबिक श्रअण्णा हजारे को मिल रहे समर्थन का बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के युवा कार्यकर्ताओं का है। यह कांग्रेस का आरोप नहीं है बल्कि भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज की स्वीकारोक्ति है।...उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हजारे की मुहीम में संघ की भूमिका के बारे में कोई सन्देह नहीं होना चाहिए। मेल टुडे के अपने आलेख में राजेश रामचन्द्रन सिविल सोसायटी को संसद के ऊपर बताने की अण्णा आन्दोलन से निरूसृत प्रवृत्ति में श्संविधान के पुनर्लेखन के संघ परिवार के एजेण्डे को फ्लीभूत होता देखे थे। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया था कि जब वाजपेयी की अगुआई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन की सरकार के दौरान जब भ्रष्टाचार के एक-एक काण्ड उजागर हो रहे थे, तब किस तरह आज के तमाम श्योद्धाश् मौन थेय ... मगर जब 2009 के चुनावों में भाजपा की दुर्गत हुई, उसके सीटों की संख्या 147 से 115 तक पहुंची, तब मुद्दों की तलाश में रहनेवाली पार्टी के हाथों भ्रष्टाचार का मुद्दा आया। प्रस्तुत आन्दोलन की रूपरेखा तैयार करने में संघ परिवार से सम्बद्ध लोगों, संगठनों की शुरूआत से सक्रियता को भी उन्होंने रेखांकित किया था। जाहिर है इसके बारे में अन्य तथ्य भी पेश किए जा सकते हैं। लेकिन क्या संघ- भाजपा की सक्रियता, उसके लिए उत्प्रेरक की भूमिका में संघ या उसके आनुषंगिक संगठन की मौजूदगी, आधिकारिक तौर पर भी संघ नेतृत्व द्वारा उज्जैन की बैठक में पारित श्अण्णा के समर्थनश् का प्रस्ताव यही एकमात्र पहलू है जो इस आन्दोलन के बारे में विवादास्पद था। हम बारीकी से विश्लेषण करें तो हम पाते हैं कि वर्ष 2014 के बाद भारत में लिबरल जनतंत्र के बरअक्स हिन्दुत्व की जो बहुसंख्यकवादी सियासत हावी होती गई, उसके कई तत्व इसी आंदोलन ध्सरगर्मी में मजबूती पाते गए हैं। अगर अण्णा आन्दोलन ने एक किस्म के झुण्डवादी जन तंत्र के विचार को वैधताध्लोकप्रियता नहीं दिलाई होती, अगर उसने जनतंत्राविरोधी प्रवृत्तियों को हवा देने का काम नहीं किया होता या उसने लोकतंत्र को किसी मसीहाई से प्रति स्थापित करने के विचार को लोकप्रिय नहीं बनाया होता तो तय बात है कि 2014 की मोदी की जीत नामुमकिन थी। जानेमाने अकादमिक एवं विद्वान कांति वाजपेयी ने उन्हीं दिनों इसकी विवेचना करते हुए लिखा था, अण्णा हजारे के समर्थन में जुटी भीड़ में यह समझदारी काफी प्रचलित है कि जनतंत्र का मतलब होता है जन की इच्छा। चूंकि लोगों में काफी भिन्नताएं हैं, जन की इच्छा का अक्सर यही मतलब निकलता है कि बहुमत क्या चाहता है, जिसमें अन्य कोई मसला विचारणीय नहीं समझा जाता है। यह एक किस्म का बहुसंख्यकवादी अर्थात झुण्डवादी जनतंत्र है, जिसके बारे में क्लासिकीय ग्रीकों से लेकर महात्मा गांधी तक सभी चिन्ता प्रगट कर चुके हैं क्योंकि इसका अर्थ यही निकल सकता है कि बहुमत कभी अल्पमत के अधिकारों को कुचलने का भी निर्णय ले।... प्रो प्रभात पटनायक ने भी उन्हीं दिनों जनतंत्र जहां समाज के मामलों को आकार देने के लिए लोग कर्ता की भूमिका प्राप्त करते है के बरअक्स आन्दोलन से प्रस्फुटित मसीहाई की विवेचना की थी। मेसियानिजम वर्सस डेमोक्रेसी नामक आलेख में उन्होंने समझाया था कि किस तरह मसीहाई एक तरह से सामूहिक कर्ता, पीपुलध्अवाम, को व्यक्तिगत कर्ता से अर्थात मसीहा से प्रति स्थापित करता है। लोग भले ही अच्छी खासी तादाद में शामिल हों, लेकिन यह सब वे दर्शक के तौर पर करते हैं। मसीहाई राजनीतिक गतिविधि किस तरह लोगों को सुन्न बना देती है इसकी चर्चा करते हुए उन्होंने लिखा था कि श्जिस तरह बालीवुड की फिल्म में हीरो अकेले ही विलेन का खातमा कर देता है, उसी तर्ज पर मसीहाई गतिविधि में फाइटिंग का समूचा काम अर्थात कर्ता की भूमिका मसीहा को सौंपी जाती है।

एनजीओ के मंसूबों पर निगरानी

गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) को विरोधाभासी अस्तित्व में बने रहने के लिए सरकार और निजी पैसे दोनों की जरूरत होती है. एनजीओ का मतलब परिवर्तन का वाहक होना है, जो समाज में हाशिये पर जी रहे लोगों की सेवा करता है. वे उस कार्य को करते हैं, जिसे सरकारी एजेंसियां कर पाने में असफल हो जाती हैं. विनोबा भावे और बाबा आम्टे जैसे सामाजिक क्रांतिकारियों ने एनजीओ को विश्वसनीयता और सम्मान दिलाया. पिछड़े तबकों की मदद के लिए हजारों स्वयंसेवक आगे आये. वे सच्चे पैदल सैनिक थे, जिन्होंने विलासिता के सुख को त्याग दिया. एनजीओ एक मिशन था, फैशन नहीं. ग्रामीण कार्यालयों के कार्यकर्ता चप्पल और कुर्ता पहनते थे और सस्ते परिवहन से यात्रा करते थे. उनकी जीवनशैली ही उनकी पहचान थी. वे सफलता को अपने कार्यों के आधार पर देखते थे, न तिजोरी में एकत्रित लाखों के धन के आधार पर देखते थे. अब, सामाजिक कार्य ठाट-बाट की तरह है. डिजाइनर कुर्ते और ब्रांडेड झोले एनजीओ की पोशाक बन चुके हैं. अधिकांश का प्रीमियम पता महानगरों में होता है. इन ऊंचे बाजार के एनजीओ का मकसद व्यवसाय वर्ग बनाम निम्न वर्ग होता है, जो विदेशों में मौज-मस्ती, भारत के खिलाफ दुष्प्रचार और विदेशी हितों को बढ़ावा देते हैं. उच्च प्रोफाइल एक्टिविस्ट पहुंच और वाकपटुता से देहाती और चकाचौंध से दूर सामाजिक नेताओं को दरकिनार कर देते हैं. एनजीओ वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, राजनेताओं और ग्लैमरस लोगों के लिए गैर-सरकारी क्षेत्र संपर्क बढ़ाने और सत्ता-प्रतिष्ठान के खिलाफ जुटान का प्लैटिनम प्लेटफॉर्म है. पारंपरिक लोक कल्याण के भाव की जगह व्यावसायिक अनुकंपा ली है. नये युग के सुधारक केंद्र में सत्तारूढ़ दल के दोषपूर्ण रवैये के कारण बचे हैं और पनप रहे हैं. विकास परियोजनाओं को रोकने और तोड़-फोड़ करने के कारण, वे जब सरकार से सीधे टकराव में आ गये, सरकार ने उनकी गतिविधियों पर निगरानी शुरू कर दी. एनजीओ से कभी सवाल नहीं होते और न ही जवाबदेही होती है. प्रधानमंत्री मोदी और संघ परिवार विदेशी धन से चलने वाले एनजीओ को लेकर हमेशा असहज रहे हैं. वे इसे भारतीय संस्कृति के रूपांतरण, नुकसान और विनाश के संस्थागत कारण के तौर पर देखते हैं. पिछले हफ्ते मोदी ने उनके मुक्त संचालन पर शिकंजा करने का फैसला किया. सरकार ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम को संशोधित किया है. इसमें विदेशी अंशदान के प्रवाह और इस्तेमाल को कम करने, एनजीओ में लोकसेवकों पर रोक और प्रशासनिक खर्च के लिए अनुदान की 20 प्रतिशत की सीमा तय करने का प्रावधान है. मनमोहन सिंह सरकार ने 2010 में मूल एफसीआरए में बदलाव किया था, जिसमें विदेशी धन प्राप्त करने या राष्ट्र हित के खिलाफ किसी गतिविधि पर नियमन के लिए एक उपबंध जोड़ा गया था. नये प्रावधान में राजनीतिक प्रकृति के किसी भी संस्थान को विदेशी धन स्वीकार करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है. विदेशी धन का इस्तेमाल और घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को रोकने के लिए आपातकाल के दौरान 1976 में एफसीआरए की शुरुआत की गयी थी. वर्तमान बहस उन एनजीओ पर है, जो सीएए और एनआरसी के खिलाफ वित्तीय मदद मुहैया करा रही हैं. पूर्व में, एनजीओ का इस्तेमाल धर्म परिवर्तन और धार्मिक प्रचार के लिए होता रहा है. वे आंदोलनकारी राजनीति को बढ़ा रहे हैं. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत में 32 लाख से अधिक एनजीओ हैं, प्रत्येक 500 लोगों पर एक एनजीओ के साथ यह आंकड़ा दुनिया में सर्वाधिक है. एनजीओ की संख्या देश में स्वास्थ्य केंद्रों से 250 गुना और स्कूलों से दोगुने से अधिक है. साल 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को देश में संचालित एनजीओ की स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था. चूंकि, ज्यादातर का प्रबंधन सरकार और राजनीति में प्रभावशाली लोगों द्वारा होता है, वे आवश्यक सूचनाओं और रिपोर्ट को सरकार के पास कभी फाइल नहीं करते. बीते कुछ वर्षों से एनजीओ को वैश्विक विचार मंच के तौर पर प्रचारित किया गया है. भारतीय खुफिया एजेंसियों के एक अध्ययन में इन स्वघोषित नये बौद्धिक अखाड़े की भूमिका पर सवाल खड़ा किया गया है. रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि ये विचार मंच या तो वरिष्ठ लोक सेवकों और रक्षा अधिकारियों द्वारा या कॉरपोरेट द्वारा संचालित किये जाते हैं. वे घरेलू स्रोतों में मामूली धन एकत्र करते हैं, लेकिन उनकी विदेश यात्रा और स्थानीय कार्यालयों की सुविधाएं विदेशी धन पर निर्भर होती हैं. वे बैठकों, संगोष्ठियों और वार्ताओं का आयोजन करते हैं, जिसमें प्रभावशाली कानूनविद और अधिकारी शामिल होते हैं. नये कानून के लागू होने के बाद 100 से अधिक सांसद, विधायक, न्यायपालिका और मीडिया से जुड़े लोगों को एफसीआरए के तहत पंजीकृत इन थिंक टैंकों से संबंध तोड़ना होगा. बीते दो दशकों में सभी एनजीओ ने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक धन प्राप्त किया- जो कि कई राज्यों के वार्षिक बजट से भी दोगुना है. पारदर्शिता नहीं होने से लाखों-करोड़ों की हेराफेरी की गयी या गुप्त गतिविधियों के लिए खर्च किया गया. एनडीए शासन के एक साल में ही भारतीय एनजीओ ने रिकॉर्ड 18,000 करोड़ रुपये एकत्र किये हैं. मोदी को गैर-औपचारिक क्षेत्र के हानिकारक और आग भड़काने वाले वोल्टेज का एहसास हो चुका है. पहले कार्यकाल के दौरान गृह मंत्रालय ने 20,000 से अधिक एनजीओ का पंजीकरण रद्द किया था. नये कानून के तहत शीघ्र ही कई अन्य एनजीओ की मान्यता जा सकती है।

एनजीओ पर नियंत्रण सरकार के लिए बहुत ही मुश्किल है. व्यावसायिक उदारवादी और नागरिक समाज के उनके सहयोगी सरकार पर असंतोष को दबाने और मानव अधिकारों पर अंकुश लगाने का आरोप लगाकर मुखर हो जाते हैं. वे एनजीओ इंडस्ट्री के विदेशियों से उम्मीद करते हैं कि वे सरकार के खिलाफ वैश्विक मुहिम छेड़ें. फैशनेबल, ग्लैमरस और भारत-विरोधी एनजीओ को 'विनाशक संस्थागत नेटवर्क' घोषित करना चाहिए और उसी आधार पर उनसे निपटना चाहिए, अन्यथा इस नेटवर्क की लागत करदाता को वहन करनी होगी।

नफरत का कारोबार और हम

सोशल मीडिया किसी देश के हालात को किस हद तक और कितनी तेजी से बिगाड़ सकता है, इसे समझना हो, तो हमें इथियोपिया जाना होगा। बस एक साल पहले तक इस पूर्वी अफ्रीकी देश के हालात इतने अच्छे दिख रहे थे कि उससे पूरे अफ्रीका में एक नई उम्मीद बांधी जाने लगी थी। और तो और, इस देश के प्रधानमंत्री अबी अहमद को पिछले साल विश्व शांति के लिए नोबेल पुरस्कार भी दिया गया था। पुरस्कार तो खैर उन्हें मिल गया, लेकिन कुछ ही महीनों के भीतर चारों तरफ से घिरे इस देश से शांति गायब होने लगी। इस साल जून में जब इथियोपिया के लोकप्रिय गायक और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता हचलू हंडेसा की हत्या हुई, तो उसके बाद हिंसा का जो दौर शुरू हुआ, वह अभी तक रुका नहीं है। तब से इस देश में न जाने कितने दंगे और न जाने कितने सामूहिक हत्याकांड हो चुके हैं, अनगिनत इमारतें जलाकर राख कर दी गई हैं और यह तांडव रुकने का नाम नहीं ले रहा।

इन सबका दोषी कौन है? बेशक हम वहां की विभाजक जातीय रेखाओं और उनके आधार पर चलने वाली राजनीति को इसका दोषी ठहरा सकते हैं। लेकिन सच यह भी है कि ये विभाजक रेखाएं वहां हमेशा से ही थीं, लेकिन इस बार जैसी और जितनी हिंसा हो रही है, उतनी पिछले कई दशकों में वहां देखने को नहीं मिली। इस बार जो चीज फर्क डाल रही है, वह है सोशल मीडिया की मौजूदगी। कई विशेषज्ञों और डाटा वैज्ञानिकों ने तमाम उदाहरणों के साथ बताया है कि वहां का पूरा सोशल मीडिया नफरत फैलाने वाले भाषणों और हिंसा भड़काने वाली सामग्रियों से भरा पड़ा है। तमाम शिकायतों के बावजूद ये सामग्रियां वहां से हटाई नहीं गई हैं। कहा जाता है कि इसे बढ़ावा देने में इथियोपिया की सरकार बड़ी भूमिका निभा रही है। यह मुमकिन है, क्योंकि इस हिंसा में सरकार भी एक पक्ष है और इस सबका सबसे बड़ा राजनीतिक फायदा भी उसी को मिल रहा है। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि सोशल मीडिया चलाने वाली कंपनियों का इस हिंसा और नफरत से कोई सीधा हित सध रहा है, फिर भी वे इसे रोकने के लिए कदम क्यों नहीं उठा रही हैं?

यह सवाल सिर्फ इथियोपिया को लेकर नहीं, बहुत से दूसरे मामलों में भी किया जाता है। बर्मा के रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर जो कुछ हुआ, उस पर भी इसी तरह के सवाल उठाए जाते रहे हैं। पिछले दिनों हमारे यहां भी यही चीज एक बड़ी खबर बनी थी, जब यह पता चला कि फेसबुक ने नफरत फैलाने वाली सामग्री हटाने में लंबी आना-कानी की थी। ऐसा क्यों होता है कि सोशल मीडिया चलाने वाली कंपनियां नफरत फैलाने वाली सामग्री हटाने को आसानी से तैयार नहीं होतीं? भले ही वे हर समय सद्भाव की कितनी भी बातें करती रहें।

इसका एक कारण तो अच्छी और बुरी चीजों पर हमारा अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रिया करना है, यानी जब हमें सोशल मीडिया पर कोई अच्छी चीज, सुभाषित या प्यार बढ़ाने वाली पोस्ट दिखती है, तो हम उसे पसंद करते हैं, और कई बार लाइक के बटन को भी दबा देते हैं। ज्यादा

अच्छी लग जाए, तो उसे फॉरवर्ड भी कर देते हैं और फिर भूल जाते हैं। ऐसी पोस्ट बहुत ज्यादा हो जाएं, तो हम उन्हें नजरअंदाज करना शुरू कर देते हैं। लेकिन जब कोई नफरत फैलाने वाली पोस्ट दिखती है, तब हमारी प्रतिक्रिया ऐसी नहीं होती। तब हमारी प्रतिक्रिया बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि हम उस नफरत के किस तरफ खड़े हैं? अगर वह हमारी धारणा से मेल खाती है, तब हम उसे लाइक तो करते ही हैं, उसे बढ़-चढ़कर फॉरवर्ड भी करते हैं, दूसरों को भेजते भी हैं, उन्हें दिखाते भी हैं। उसका इस्तेमाल विपरीत विचारधारा वालों को चिढ़ाने के लिए भी करते हैं। और अगर वह नफरती पोस्ट हमें नापसंद होती है, तो हम उस पर तीखी प्रतिक्रिया भी देते हैं। हम उस पर जो भी प्रतिक्रिया दें, आगे उस पर और प्रतिक्रिया होती है, फिर यह सिलसिला लंबा चलता है। अच्छी पोस्ट को हम भले ही कुछ समय बाद नजरअंदाज करने लगते हों, लेकिन नफरत सोशल मीडिया पर हमारी सक्रियता को बढ़ाती है।

अगर इसे सोशल मीडिया के व्यापार की भाषा में कहें, तो नफरत जितनी ज्यादा होती है, उतना ही ट्रैफिक जेनरेट होता है। जितना ट्रैफिक जेनरेट होता है उतना ही ज्यादा डाटा जेनरेट होता है। सोशल मीडिया का सारा कारोबार अंततः डाटा का ही कारोबार है, इसलिए जितना ज्यादा डाटा तैयार होता है, उतना ही अधिक मुनाफा भी बढ़ता है। सीधे शब्दों में कहें, तो जिसे हम नफरत कहते हैं, सोशल मीडिया के कारोबार में कमाई का वह सबसे अच्छा साधन है। इसीलिए जब नफरत फैलाने वाली पोस्ट को हटाने की बात आती है, तब सोशल मीडिया चलाने वाली कंपनियां या तो आना-कानी करती हैं या फिर बहाने तलाशती हैं।

यह नफरत कोई नई चीज नहीं है। नई चीज है, इसका बड़े पैमाने पर कारोबारी मुनाफे के लिए इस्तेमाल। यह कुछ वैसा ही है, जैसे हमारे समाज के कई अपशिष्ट पदार्थ हमारी नदियों को लंबे समय से प्रदूषित करते रहे हैं। तब नदियों का तंत्र, उसके जीव-जंतु, उसके आस-पास के जंगल इसे साफ करने में सक्षम थे, लेकिन जब से बड़ी-बड़ी फैक्टरियों ने नदियों को प्रदूषित करना शुरू किया, उन्हें साफ करना किसी के लिए संभव नहीं रहा। नदियों की जो दुर्गति हमारी कई फैक्टरियां कर रही हैं, हमारे समाज और राजनीति की वही दुर्गति बहुत हद तक सोशल मीडिया कर रहा है। यह बात अलग है कि हमारे समाज के लिए इसकी उपयोगिता भी कम नहीं है। ठीक वैसे ही, जैसे हमारे समाज के लिए प्रदूषण फैलाने वाली फैक्टरियां भी बहुत उपयोगी हैं, इसीलिए हम उन्हें पूरी तरह नकार नहीं पाते। दुनिया इस प्रदूषण से मुक्ति के रास्ते तो तलाश रही है, लेकिन सोशल मीडिया के मामले में ऐसी चिंता अभी नहीं दिखाई दे रही।

सार समाचार ....

एक बॉल मिस करने के लिए धन्यवाद तेवतिया युवराज

नईदिल्ली **एजेंसी।** भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर और सिक्सर किंग के नाम से मशहूर युवराज सिंह ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया के छह गेंदों में पांच छक्के जडने पर कहा है कि एक बॉल मिस करने के लिए धन्यवाद तेवतिया। तेवतिया ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ शेल्डन कॉट्रेल के एक ओवर में पांच छक्के जड़े थे। उन्होंने 18वें ओवर की पहले चार गेंदों में छक्के जड़े लेकिन पांचवीं गेंद मिस कर गए। हालांकि छठी गेंद पर उन्होंने एक और छक्का जड़ा तथा कॉट्रेल की ओवर में 30 रन जुटाए। बड़े स्कोर वाले मैच में यह ओवर निर्णायक साबित हुआ और राजस्थान ने यह मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। युवराज ने कहा, हंसमुख चेहरे के तेवतिया भाई एक बॉल मिस करने के लिए धन्यवाद। वाकई शानदार मैच था। राजस्थान को इस बेहतरीन जीत के लिए बधाई। मयंक अग्रवाल और संजू सैमसन ने भी अच्छी पारी खेली। उल्लेखनीय है कि युवराज ने 2007 टी-20 विश्वकप में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़े थे।

कोचों के लिए हॉकी इंडिया ने ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत की

नईदिल्ली एजेंसी। देश में कोचिंग का स्तर सुधारने की दिशा में हॉकी इंडिया 31 राज्य सदस्यों के 130 उम्मीदवारों से ज्यादा के लिए ऑनलाइन लेवल बेसिक कोचिंग कोर्स की शुरुआत की है। उम्मीदवारों को छह ग्रुप में बांटा गया है और यह कोर्स 23 सितंबर से 10 अक्टूबर से चलेगा। यह कोचिंग कोर्स हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे के उद्देश्य से शुरु किया गया है जिसमें हॉकी का इतिहास, खेल के नियम, मैदान की जानकारी, कोचिंग और ट्रेनिंग उपकरण के बारे में बताया जाता है। हॉकी इंडिया लेवल बेसिक कोचिंग कोर्स में पूर्वोत्तर के राज्य संघों के उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है जिसमें अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम और असम शामिल हैं। अरुणाचल के एक उम्मीदवार दुयु मोदी ने इसके लिए हॉकी इंडिया को धन्यवाद दिया। हॉकी इंडिया के कार्यवाहक अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम ने कहा, ज्ञान कुछ भी सीखने की पूंजी है और हम हॉकी इंडिया के इस कार्यक्रम में राज्य संघों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने पर काफी खुश हैं।

मुंबई के खिलाफ सुपर ओवर में मिली रोमांचक जीत के बाद विराट कोहली ने अपनी टीम को लेकर दिया बड़ा बयान

दुबई एजेंसी। सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) के 10वें मुकाबले में सुपर ओवर मैच में विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस पर जीत दर्ज करके तीन मैचों में दूसरा मैच अपने नाम किया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर तीन विकेट पर 201 रन का मजबूत स्कोर बनाया था। मुंबई ने इसके जवाब में आरसीबी के लचर फील्डिंग का फायदा उठाकर आखिरी चार ओवर में 80 रन जोड़कर पांच विकेट पर 201 रन बनाए और मैच को सुपर ओवर तक पहुंचाया। विराट कोहली ने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सुपर ओवर में मिली जीत के बाद कहा कि अगर उनकी टीम को आगे इस तरह की परिस्थितियों से बचना है तो क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा और छोटी छोटी चीजों पर ध्यान देना होगा। कोहली ने कहा, मेरे पास मैच को बयां करने के लिये शब्द नहीं है क्योंकि यह बहुत उतार चढ़ाव वाला रहा। हमने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और 200 से अधिक का स्कोर बनाया और फिर गेंदबाजी में भी अच्छी शुरुआत की। उन्होंने बीच के ओवरों में संयम से काम लिया और ओस के प्रभाव का इंतजार करते रहे।

दिल्ली के पास सीजन में जीत की हैट्रिक लगाने का मौका, दोनों मैच हार चुकी सनराइजर्स से मुकाबला

अबुधामी | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 11वां मैच दिल्ली कैपिटल्स (छ्ष्ट) और सनराइजर्स हैदराबाद (स्न्ग्र) के बीच आज अबु धाबी में खेला जाएगा। दिल्ली के पास इस सीजन में जीत की हैट्रिक लगाने का मौका होगा। इससे पहले 2009 में दिल्ली ने अपने शुरुआती 3 मैच जीते थे, तब उसने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद इस सीजन में अपने दोनों मैच हारकर पॉइंट टेबल में सबसे नीचे है। वहीं, दिल्ली टॉप पर बनी हुई है।

दोनों टीमों के सबसे महंगे खिलाड़ी

दिल्ली में ऋषभ पंत 15 करोड़ और शिमरॉन हेटमायर 7.75 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। वहीं, हैदराबाद के सबसे महंगे खिलाड़ी डेविड वॉर्नर हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी सीजन का 12.50 करोड़ रुपए देगी। इसके बाद टीम के दूसरे महंगे खिलाड़ी मनीष पांडे (11 करोड़) हैं।

पॉइंट टेबल में दिल्ली टॉप पर, हैदराबाद सबसे नीचे इस सीजन में अब तक दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। पहले मैच में उसने पंजाब को सुपर ओवर में हराया था। वहीं, दूसरे मैच में उसने चेन्नई को हराया था। दूसरी ओर हैदराबाद के लिए सीजन अब तक कुछ खास नहीं रहा। उसे उसके दोनों शुरुआती मुकाबलों में हार मिली। पॉइंट टेबल में दिल्ली टॉप पर और हैदराबाद सबसे नीचे है।

दिल्ली में युवा खिलाड़ियों पर दारोमदार

दिल्ली में युवा खिलाड़ियों अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। पृथ्वी शॉ, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर ने जबर्दस्त परफॉर्म किया है। शिखर धवन और मार्कस स्टोइनिस भी शानदार फॉर्म में हैं। गेंदबाजी में कगिसो रबाडा और एनरिच नोर्त्जे भी शानदार फॉर्म में हैं। अश्विन दिल्ली के पहले मैच में चोटिल हो गए थे। अगर उनकी टीम में वापसी होती है, तो बॉलिंग डिपार्टमेंट में भी टीम को बहुत फायदा होगा।

हैदराबाद में वॉर्नर, बेयरस्टो और राशिद पर जिम्मेदारी हैदराबाद की बैटिंग में टॉप-3 बल्लेबाजों पर रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। पिछले मैच में वॉर्नर और बेयरस्टो का बल्ला नहीं चला था। सिर्फ मनीष पांडे ही रन बना पाए थे। हैदराबाद की ताकत उसकी गेंदबाजी है, लेकिन इस सीजन में अब तक उसमें वो धार नहीं दिखी है। ऐसे में राशिद खान और भुवनेश्वर पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी होगी। दोनों के बीच अब तक 15 मुकाबले हुए हैं। इसमें हैदराबाद ने 9 जबकि दिल्ली ने 6 मैच जीते हैं। पिछले दोनों सीजन की बात की जाए तो दोनों टीमों के बीच 5 मैच खेले गए, जिसमें हैदराबाद ने 3 और दिल्ली ने 2 मैच जीते।

पिच और मौसम रिपोर्ट अबु धाबी में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 29 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है।

आईपीएल में मलिंगा के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अमित मिश्रा ने कहा- जिसका हकदार था

दुबई **एजेंसी।** भारतीय क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने, आईपीएल में 148 मैचों में 157 विकेट लिये हैं। औ वे आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की लिस्ट में लसित मलिंगा के बाद दूसरे नंबर पर हैं। मिश्रा का करियर आईपीएल में जितना शानदार रहा, उतना अंतरराष्?ट्रीय क्रिकेट में नहीं हो सका। लेकिन लेग स्पिनर कहते हैं कि अब वे इस बारे में सोचना छोड़ चुके हैं। मिश्रा ने सोमवार को कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं दूसरों से कमतर हूं या नहीं, मैं पहले इस बारे में सोचा करता था , इसलिए डाइवर्ट भी हो जाता था लेकिन अब मैं सिर्फ अपने गेम पर फोकस कर रहा हूं सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से पहले वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिश्रा ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे वह नहीं मिला, जिसका मैं हकदार था। लोग जानते हैं कि अमित मिश्रा कौन है, मेरे लिए इतना ही काफी है। मुझे अपने क्रिकेट और गेंदबाजी पर ध्यान देना होता है, जो मैं कर रहा हूं। मिश्रा ने हरियाणा के अपने साथी गेंदबाज राहुल तेवतिया की तारीफ की। उन्होंने कहा, आईपीएल में जगह बनाने वाली पारी खेलकर राहुल तेवतिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। तेवतिया और अमित मिश्रा दोनों हरियाणा से हैं और 2018 में दिल्ली कैपिटल्स के लिये साथ खेले थे। तेवतिया ने पंजाब के खिलाफ 18वें ओवर में पांच छक्के लगाकर, पंजाब से लगभग जीता हुआ मैच छीन लिया था। मिश्रा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से पहले कहा कि राहुल अपनी बल्लेबाजी पर फोकस कर रहे थे, जिस तरह से राहुल ने खेला, वह हरियाणा क्रिकेट के भविष्य के लिये अच्छा है। मैं चाहता हूं कि वह आगे भी ऐसे ही खेलते रहें। मिश्रा ने कहा, अबु धाबी की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है।

ओलंपिक मशाल रिले के मार्ग और कार्यक्रम में बदलाव नहीं होगा

टोक्यो , एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक और पैरालम्पिक खेलों की मशाल रिले के मार्ग और कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। टोक्यो 2020 के आयोजकों ने सोमवार को इसकी घोषणा की। टोक्यो 2020 ने पुनर्निर्धारित आउटलाइन जारी करते हुए बताया कि ओलंपिक मशाल रिले की शुरुआत 25 मार्च 2021 को फुकुशिमा प्रायद्वीप के जे विलेज ट्रेनिंग सेंटर से शुरु होगी और जापान के सभी 47 प्रांत से गुजरेगी। हर प्रांत में मशाल रिले पहुंचने की तारीख 2020 के निर्धारित दिन से एक दिन पहले किया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और 2020 के बीच वार्ता में मशाल रिले के बारे में विस्तृत जानकारी पर बात की गयी जिसमें गाडियों के काफिले को छोटा रखने और इसके उद्घाटन तथा रिले के दौरान होने वाले उत्सवों को सादगीपूर्ण रखने पर सहमति बनी। टोक्यो 2020 ने बताया कि वह कोरोना वायरस के मामले को देखते हुए स्वास्थ्य प्रशासन और विशेषज्ञों के साथ इवेंट को सुरक्षित आयोजित कराने पर चर्चा कर रहा है। टोक्यो पैरालम्पिक मशाल रिले का आयोजन अगले साल 12 से 24 अगस्त तक किया जाएगा और इसके कार्यक्रम में भी कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

पहली जीत की तलाश में दिल्ली के भिड़ेगी हैदराबाद की टीम

नईदिल्ली , एजेंसी। आईपीएल 2020 का 11वां मुकाबला 29 सितंबर (मंगलवार) को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। जोश से लबरेज दिल्ली की टीम इस सीजन में विजयी रथ पर सवार है। टीम ने दो मैच खेले हैं और दोनों में ही जीत हासिल कर अंक तालिका में भी नंबर एक पायदान पर है। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद को अपनी पहली जीत की तलाश है। हैदराबाद ने अभी तक दो मैच खेले हैं और दोनों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। अंकतालिका में एसआरएच की टीम सबसे नीचे है। निश्चित तौर पर यह कप्तान डेविड वार्नर के लिए चिंता का विषय है। मैच किस समय शुरू होगा? दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच भारतीय समयानुसार शाम 7-30 बजे शुरू होगा। मैच का लाइव टेलीकास्ट कहां देख सकते हैं?दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। हैदराबाद को अगर जीत चाहिए तो उसे अपने बल्लेबाजी क्रम की मुश्किलों को सुलझाना होगा। जॉनी बेयरस्टो, डेविड वार्नर और कुछ हद तक मनीष पांडे के बाद टीम के पास कोई ऐसा बल्लेबाज नहीं है।

कोहली और रोहित को टीम से निकालने की मांग

नई दिल्ली , एजेंसी।

आईपीएल के13वें सीजन को शुरू हुए एक हफ्ते से ज्यादा बीत चुका है। इस सीजन में खेले गए अबतक 10 मैचों में, दो का फैसला सुपर ओवर में हुआ। सोमवार को हुए मुकाबले में विराट कोहली की कप्तानी वाली, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मुंबई इंडियंस को हरा दिया। इस रोमांचक मैच के बावजूद फैंस ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को जमकर ट्रोल किया।

अबतक खामोश रहा है रोहित और विराट का बल्ला

भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और उप-कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन इस सीजन में अच्छा नहीं रहा है। कोहली पिछले तीनों मैचों में फ्लॉप रहे, वहीं मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित पिछले मैच के अच्छे प्रदर्शन को जारी नहीं रख सके। सोमवार के मुकाबले में विराट कोहली 11 गेंदों में केवल 3 ही रन बना सके। कोहली ने 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर, एक्स्ट्रा कवर्स में खड़े रोहित शर्मा को कैच दे दिया। इससे पहले भी दोनों मैच में भी कोहली का बल्ला खामोश रहा। अबतक

खेले गए तीन मैचों में कोहली के बल्ले से सिर्फ 18 रन ही निकले हैं। उसके बाद भी उनकी टीम ने, 201 रनों का स्कोर खड़ा किया था। वहीं मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा आठ गेंदों में केवल आठ ही रन बना पाए। सीजन की शुरुआत से ही फैंस रोहित की फिटनेस को लेकर सवाल कर रहे हैं और खराब प्रदर्शन के कारण वह फिर सोशल मीडिया पर ट्रोल हुए।

17 करोड़ के विराट कोहली का सीजन में फ्लॉप शो जारी, 3 मैच में सिर्फ 18 रन बनाए; मैच में ईशान आईपीएल के 10वें मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस को हराया। लीग के सबसे महंगे (17 करोड़) खिलाड़ी बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली का इस सीजन में फ्लॉप शो इस मैच में भी जारी रहा। कोहली अब तक 3 पारियों में सिर्फ 18 रन ही बना पाए हैं। वहीं, दुबई में खेले गए इस मैच में छक्कों की बरसात हुई। पूरे मैच में कुल 26 छक्के लगे। इसमें 18 छक्के तो सिर्फ मुंबई के ईशान किशन (9), कीरोन पोलार्ड (5) और बेंगलुरु के एबी डिविलियर्स (4) ने लगाए।

रन चेज करते हुए मुंबई इंडियंस ने आखिरी 5 ओवर में रिकॉर्ड 89 रन बनाए

अबुधामी | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन के 10वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस को सुपर ओवर में हराया। आईपीएल इतिहास में पहली बार 200+ रन बनाने के बावजूद कोई मैच टाई हुआ है। इस मैच में बेंगलुरु ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई ने 5 विकेट पर 201 रन बनाए। इससे पहले 2015 में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब के खिलाफ 191 रन बनाए थे। यह मैच भी टाई रहा था, जिसमें पंजाब ने सुपर ओवर में मैच जीता था। साथ ही मुंबई ने रन चेज करते हुए आखिरी 5 ओवर में 89 रन बनाए, जो एक रिकॉर्ड है। इससे पहले पिछले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 86 रन बनाए थे।

पोलार्ड और ईशान ने दिखाया दम

मैच में एक समय मुंबई हार के करीब खड़ी थी। टीम का 15 ओवर में स्कोर 4 विकेट पर 112 रन था। मुंबई को जीत के लिए 90 रन चाहिए थे। कीरोन पोलार्ड 10 और ईशान किशन 61 रन बनाकर खेल रहे थे। यहीं से दोनों प्लेयर ने अपना खेल बदला और आखिरी 5 ओवर में 89 रन बनाते हुए मैच टाई करा दिया। पोलार्ड ने 24 बॉल पर 60 और ईशान ने 58 बॉल पर 99 रन की पारी खेली। इस दौरान पोलार्ड ने 20 बॉल पर अपनी 35वीं फिफ्टी पूरी की थी। वहीं ईशान का यह चौथा अर्धशतक है। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 119 रन की पार्टनरशिप की।

सीजन का दूसरा सुपर ओवर सुपर ओवर में मुंबई ने बेंगलुरु को 8 रन का टारगेट दिया। जिसे विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने आसानी से हासिल किया। यह इस सीजन का दूसरा सुपर ओवर है। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच एक मैच का फैसला भी सुपर ओवर में हुआ था, जिसमें दिल्ली ने जीत दर्ज की थी। बुमराह ने क्रिकेट करियर में 5वीं बार सुपर ओवर डाला, पहली बार हार मिली जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल और इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 5 बार सुपर ओवर किया है। इसमें उन्हें आज पहली बार हार मिली है। बुमराह ने टीम इंडिया को इसी साल न्यूजीलैंड में दो बार सुपर ओवर में मैच जिताया था। आईपीएल में यह उनका तीसरा सुपर ओवर था। सबसे पहले उन्होंने 2017 में गुजरात और 2019 में हैदराबाद के खिलाफ सुपर ओवर किया था। डिविलियर्स, पडिक्कल और फिंच की फिफ्टी बेंगलुरु ने 3 विकेट पर 201 रन बनाए थे। एबी डिविलियर्स (55), देवदत्त पडिक्कल (54) और एरॉन फिंच (52) ने फिफ्टी लगाई। पडिक्कल ने आईपीएल में अपने तीसरे मैच में यह दूसरी फिफ्टी लगाई है। वहीं, फिंच ने लीग में अपनी 14वीं और डिविलियर्स ने 35वीं फिफ्टी लगाई। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 34 रन देकर सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

मुंबई के खिलाफ डिविलियर्स की लगातार तीसरी फिफ्टी डिविलियर्स ने मुंबई के खिलाफ लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई। इससे पहले उन्होंने पिछले सीजन में मुंबई के खिलाफ 75 और नाबाद 70 रन की पारी खेली थी।

डिविलियर्स और गेल के सबसे ज्यादा बार मैन ऑफ द मैच मिला 21वीं बार मैन ऑफ द मैच बने डिविलियर्स। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड पाने के मामले में क्रिस गेल की बराबरी की। डिविलियर्स के आईपीएल में 4500 रन पूरे हो गए हैं। डिविलियर्स ने छठवीं बार 25 से कम बॉल में अर्धशतक लगाया।

कोहली लगातार तीसरे मैच में फ्लॉप आरसीबी के कप्तान विराट कोहली लगातार तीसरे मैच में फ्लॉप रहे और 11 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। राहुल चाहर की बॉल पर रोहित शर्मा ने उनका कैच लिया। इससे पहले कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 14 और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 1 रन बनाया था। कप्तान के तौर पर 150 टी-20 खेलने वाले तीसरे भारतीय बने कोहली टॉस के लिए उतरने के साथ ही कोहली ने इस मैच में एक और कीर्तिमान अपने नाम किया।

सुरेश रैना के लिए बंद हुए चेन्नई सुपर किंग्स के द्वार

नयी दिल्ली , एजेंसी। आईपीएल 2020 के शुरु होने से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स से अपना नाम वापस लेकर फैंस व फ्रेंचाइजी को बड़ा झटका देने वाले चेन्नई के स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना को लेकर अब एक और बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स की वेबसाइट पर से सुरेश रैना का नाम हटा दिया गया है। टीम के सेक्शन सभी खिलाडियों के नाम हैं, लेकिन वहां रैना का नाम गायब है। इससे यह तो तय हो गया कि रैना इस सीजन में वापसी नहीं करने वाले हैं। शुक्रवार को चेन्नई की लगातार दूसरी हार के बाद सोशल मीडिया पर फैंस रैना की वापसी की मांग कर रहे थे। गौरतलब है कि आईपीएल 2020 से निजी कारणों की वजह से अपना नाम वापस लेकर सुरेश रैना ने प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेट जगत को हैरत में डाल दिया था। पूर्व भारतीय बल्लेबाज आईपीएल टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार थे और चेन्नई में टीम के लिए लगाए गए एक हफ्ते के कैम्प में उन्होंने हिस्सा भी लिया था। वे टीम के अन्य सदस्यों के साथ यूएई आए थे, लेकिन सीएसके कैम्प में कोरोना पॉजिटिव के 13 मामले सामने आने के बाद वे भारत लौट गए। इसके बाद भी उप-कप्तान ने वापसी के दरवाजे खोल रखे थे और कहा था कि अगर हालात बेहतर हुए तो वे वापसी कर सकते हैं। लेकिन चेन्नई सुपरकिंग्स की वेबसाइट से रैना का नाम हटने के बाद यह कन्फर्म हो गया है कि वे अब टीम के साथ नहीं जुड़ेंगे। लेकिन फ्रेंचाइजी ने रैना का रिप्लेसमेंट नहीं लिया, जिसके चलते लगातार कयास लगाए जा रहे थे कि रैना टीम में वापसी कर सकते हैं। लेकिन अब सीएसके ने मिस्टर आईपीएल यानी सुरेश रैना का नाम अपनी आधिकारिक वेबसाइट से हटा दिया है। वहीं, रैना ने शनिवार को, चेन्नई सुपर किंग्स को ट्विटर पर अनफॉलो कर दिया।

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान फिल्मों से भले ही दूरी बनाए हों लेकिन सोशल मीडिया पर ऐक्टिव रहती हैं। वह गंगूबाई सलोनी डैनी का ट्रांसफॉर्मेशन देख फैन्स हैरान

इन दिनों सोशल मीडिया पर शहनाज गिल के अमेजिंग ट्रांसफॉर्मेशन के चर्चे हैं। शहनाज ने 6 महीने से भी कम वक्त में 12 किलो वजन घटाकर सभी को चौंका दिया। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने इतना वजन बिना किसी एक्सर्साइज के और खाने-पीने में मामूली बदलाव करके कम किया है। शहनाज के साथ-साथ अब सलोनी डैनी की भी चर्चा हो रही है। वह नन्ही सलोनी डैनी याद है जो कॉमिडी सर्कस महासंग्राम में गूंगबाई का किरदार निभाकर सुपरहिट हो गई थी? जी हां, अब वही सलोनी बड़ी हो गई है। बीच में सलोनी काफी मोटी हो गई थीं और वजन भी बढ़ गया था। पर अब उनका स्लिम अवतार लोगों को चौंका रहा है। इंटरनेट पर सलोनी की लेटेस्ट तस्वीरें छाई हुई हैं और कोई उनकी तारीफ कर रहा है।

सलोनी ने हाल ही अपनी एक दोस्त की बर्थडे पार्टी से ये तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह काफी स्टनिंग और स्लिम लग रही हैं।

सलोनी के इस स्लिम लुक को देख फैन्स के साथ-साथ उनके दोस्त भी हैरान रह गए और कहा कि उनका ट्रांसफॉर्मेशन गजब का हुआ है। वह कमाल लग रही हैं।

सलोनी डैनी का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी खूबसूरत तस्वीरों से भरा पड़ा है। पिछले कई सालों से स्क्रीन से गायब रहीं सलोनी डैनी हाल ही टीवी शो ये जादू है जिन्न का में नजर आई थीं।

सलोनी 3 साल की उम्र से काम कर रही हैं और अब तक वह कई हिंदी और मराठी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। सलोनी डैनी को टीवी की सबसे कम उम्र की कमीडियन माना जाता है क्योंकि उन्होंने 3 साल की उम्र से ही कॉमिडी करनी शुरू कर दी थी।

उन्होंने डिज्नी के लिए अपना एक म्यूजिक एल्बम भी निकाला था। इतना ही नहीं, सलोनी अर्णब गोस्वामी से लेकर काजोल और सोनम कपूर तक की मिमिक्री भी अच्छी तरह कर लेती हैं।

लंबे समय से ऐक्टिंग से दूर रहीं सलोनी ने साल 2016 में टीवी शो में डेब्यू किया। उस वक्त वह बड़े भैया की दुलहनिया में नजर आईं। वह फिल्म नो प्रॉब्लम में भी काम कर चुकी हैं, जिसमें सुष्मिता सेन, अनिल कपूर, परेश रावल, संजय दत्त, सुनील शेट्टी और अक्षय खन्ना जैसे स्टार्स थे।

किरदार को स्क्रिप्ट में अहमियत मिले अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा चाहती हैं कि उनके किरदार को स्क्रिप्ट में अहमियत मिले, भले ही वह पेड़ों के आसपास दौड़ती, नाचती एक संकोची लड़की का किरदार निभाए। अदा ने कहा, मुझे पेड़ों के इर्द-गिर्द घूमना, नाचना पसंद है और मुझे संकोची लड़की का किरदार निभाना भी पसंद है, जिन्हें मैंने अपनी कुछ दक्षिण फिल्मों में निभाया भी है। मेरा अर्थ यह है कि अगर मैं एक संकोची लड़की की भी भूमिका निभा रही हूं या पेड़ों के चारों ओर दौड़ रही हूं, तो मैं चाहती हूं कि वह स्क्रिप्ट में महत्वपूर्ण हो। उन्होंने आगे कहा, मैं जो भी कर रही हूं, चाहती हूं कि वह स्क्रिप्ट के लिए महत्वपूर्ण हो। इसलिए, मेरे लिए एक भूमिका चुनना सिर्फ प्यारी लड़की या बुरी लड़की को लेकर नहीं है। उनसे पूछे जाने पर कि स्क्रिप्ट साइन समय वह क्या देखती है? इस पर उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि यह (चरित्र) कथानक के लिए महत्वपूर्ण हो। यदि आप कहानी से चरित्र को हटा देते हैं, तो क्या कहानी तब भी काम करेगी? कभी-कभी मैं ऐसी फिल्में करती हूं जहां, हां, यदि आप मेरे किरदार को हटा दें तो भी कहानी काम करेगी। लेकिन अपने चरित्र को यादगार बनाने के लिए प्रयास करती हूं।

न जाने क्यों लोग सेक्स सीन्स के बारे में इतनी बातें करते हैं सुचेता त्रिवेदी

अभिनेत्री सुचेता त्रिवेदी यह समझने में असफल रहीं हैं कि क्यों कुछ लोग ओटीटी प्लेटफार्मों पर बोल्ड कंटेंट को लेकर इतनी बातें करते हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि लोग बोल्ड दृश्यों, सेक्स दृश्यों के बारे में ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं। यह सब जीवन का हिस्सा है और उसे ही आप स्क्रीन पर देखते हैं तो उसमें क्या है?

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि ऐसी सामग्री विशुद्ध रूप से दर्शकों की मांग पर आधारित है।

अभिनेत्री ने कहा, यदि न्यूडिटी के कारण दर्शकों की संख्या बढ़ रही है तो इसका मतलब है कि दर्शक इसे देखना चाहते हैं और वे न्यूडिटी और सेक्स से मनोरंजन करना चाहते हैं। यह सामग्री को जज करना नहीं है, बल्कि यह दर्शकों की मांग है। मुझे लगता है कि ऐसे दृश्यों के कारण सामग्री में ईमानदारी बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि वह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन को देखकर आश्चर्यचकित हैं।

उन्होंने कहा, वेब प्लेटफॉर्म अभिनेताओं को लेने में कमी नहीं करता है। यही कारण है कि यह बेहतरीन प्रतिभाएं हैं, जो अब तक मैंने देखी है। मैंने वेब पर कभी औसत प्रतिभा नहीं देखी है और इसने एक अलग ही स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ा दिया है। इंडियावाली मां पर दिखाई दे रहीं इस अभिनेत्री का कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का ऐसा शानदार समय जारी रहेगा। उन्होंने कहा, ऐसे लोग जिन्होंने टेलीविजन से शुरूआत की है उनके लिए ये एक बड़ा बदलाव लाने जा रहा है। हालांकि जो लोग इस समय में आए हैं या आने वाली पीढ़ी वे क्रेजी कंटेन्ट बनाने जा रहे हैं। इसके पास एक सुनहरा भविष्य है।

तान्या देसाई हिंदी थ्रिलर सिरीज क्रैकडाउन में आएंगी नजर

तेलुगू अभिनेत्री तान्या देसाई अब अपूर्व लाखिया की आगामी हिंदी वेब सिरीज क्रैकडाउन में दिखाई देंगी। तान्या ने अपने आगामी हिंदी शो के बारे में कहा, फिल्म क्रैकडाउन पाकिस्तान और हिंदुस्तान के बीच की लड़ाई पर आधारित है, जिसमें दिखाया गया कि कैसे भारतीय जासूस इस मिस्ट्री को सुलझाते हैं। इसमें एक्शन, सस्पेंस, ड्रामा और इमोशन्स हैं। इसमें मैं एक साधारण महिला के किरदार में हूं। उन्होंने कहा, अपूर्व लखिया के साथ करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा अनुभव है। उनके निगरानी में काम करके मैं बहुत प्राउड फील करती हूं। वे बहुत ही टैलेंटेड व्यक्ति हैं। वे सभी से बराबरी से पेश आते हैं। फिल्म क्रैकडाउन में साकिब सलीम, अंकुर भाटिया, श्रिया पिलगांवकर और राजेश तैलंग भी हैं।

अतरंगी लुक में पारस छाबड़ा

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 से अपनी खास पहचान बनाने वाले पारस छाबड़ा आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं। बिग बॉस से निकलने के बाद से ही पारस माहिरा शर्मा के साथ म्यूजिक एलबम में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और आए दिन अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। हाल ही में पारस छाबड़ा ने अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की। दरअसल, पारस छाबड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी एक स्टाइलिश तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में उनका 80 के दशक का हेयरस्टाइल नजर आ रहा है। तो वहीं, उन्होंने जेब्रा प्रिंट आउटफिट कैरी किया हुआ है और साथ में अपने लुक को पूरा करने के लिए एक स्टाइलिश चश्मा भी पहना हुआ है। कुछ लोगों को तो उनका यह लुक काफी पसंद आया लेकिन कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल कर दिया। एक यूजर ने उन्हें रणवीर सिंह की सस्ती कॉपी बता दिया। वहीं एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, पारस ग्रेट रणवीर सिंह बनने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वह ऐसा कर नहीं पाएंगे। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को उनकी एक्टिंग के अलावा अतरंगी ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जाना जाता है। सोशल मीडिया पर वह भी अक्सर अपने ड्रेसिंग को लेकर ट्रोल हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ पारस छाबड़ा के साथ।

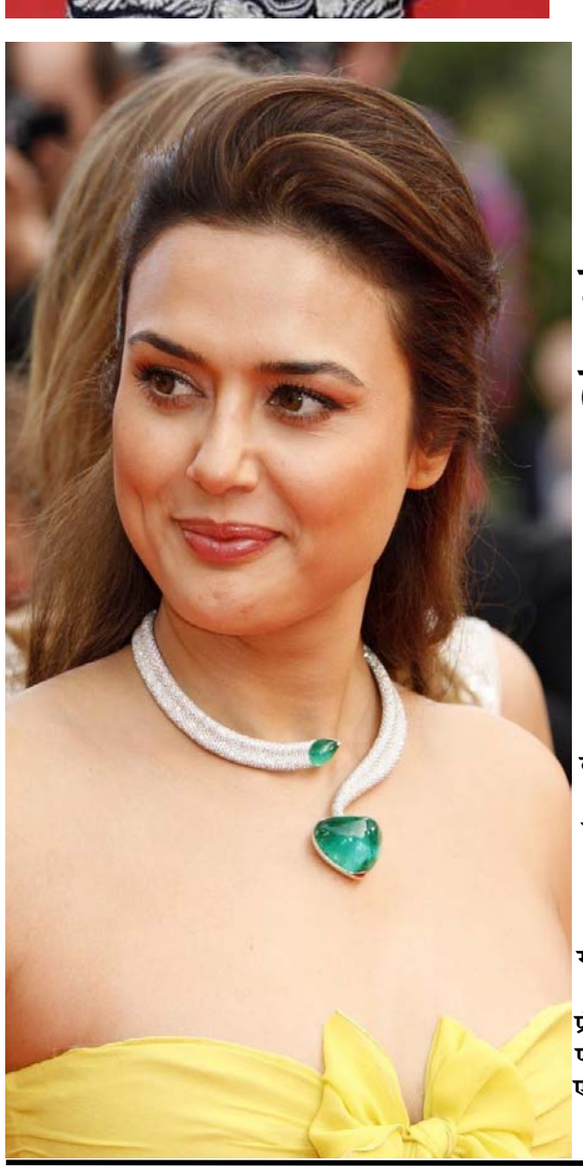

गर्मी के कारण दुबई में स्की ट्रिप्स को मिस कर रही हैं जिंटा

अभिनेत्री प्रीति जिंटा इन दिनों आईपीएल के 13वें संस्करण के लिए संयुक्त अरब अमीरात में हैं। वह आमतौर पर यहां आती हैं तो स्की ट्रिप का मजा लेती हैं लेकिन इस बार अत्यधिक गर्मी के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रही हैं।ट प्रीति ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया है, जिसमें वह स्कीइंग गियर में दिख रही हैं और साथ में इक्वीपमेंट लिए हुए हैं। प्रीति ने लिखा है कि यहां की अत्यधिक गर्मी के कारण मैं स्कीइंग का लुत्फ नहीं ले पा रही हूं।

प्रीति यहां इस महीने की शुरुआत में पहुंची हैं। प्रीति ने यहां आने के बाद एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कोरोना टेस्ट करा रही हैं।

म्यूजिक वीडियो याद बारिश में सोनल प्रधान संग नजर आएंगे कंवर ढिल्लन

मशहूर गायक एवं संगीतकार सोनल प्रधान नए म्यूजिक वीडियो याद बारिश में में टेलीविजन अभिनेता कंवर ढिल्लन के साथ आने को तैयार हैं। टीवी अभिनेता कंवर ढिल्लन और सोनल प्रधान पहली बार याद बारिश में म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगे। दिलचस्प बात ये हैं की, कंवर के पहले गीत में प्रतिभाशाली गायक सोनल प्रधान उनके साथ हैं। प्रधान ने पहले भी कई ब्लॉकबस्टर प्रदर्शन दिए हैं। अब इस संगीत वीडियो में याद बारिश में शीर्षक से, दर्शक सोनल के अलग रूप को देखेंगे। सूत्रों के अनुसार, सोनल और कंवर सबसे रोमांटिक जोड़ी हैं और उनकी रोमांटिक केमिस्ट्री को पूरी तरह से एक नए स्तर पर लेकर जायेगी। उन्होंने कहा, यह एक रोमांटिक गाना है और सोनल को वह करने का मौका दिया जो उसे सबसे ज्यादा पसंद है। गाना को मुंबई में फिल्माया गया है, इस वीडियो की शूटिंग महामारी के कारण बिल्कुल अलग थी।

कोविड -19 महामारी के बीच टीम ने मास्क पहनने सहित सभी आवश्यक सावधानी बरती। शूट कम से कम क्रू मेंबर और बहुत ही सख्त प्रोटोकॉल में समाप्त हुई। गायक संगीतकार सोनल प्रधान ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मेरा पहला संगीत वीडियो होने के नाते, मैं शूटिंग से पहले थोड़ा घबरा गयी थी। लेकिन, निर्देशक सचिन गुप्ता सर और सह-अभिनेता कंवर ढिल्लन पूरे शूटिंग में बहुत सहयोग दिया। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देने की पूरी कोशिश की है। यह मेरे लिए एक यादगार अनुभव था। सोनल प्रधान ने म्यूजिक वीडियो के गाने को गाया हैं तथा संगीतबद्ध किया गया है। गीतकार अन्नू ने गाने को लिखा हैं। रोमांटिक गाने का निर्देशन सचिन गुप्ता ने किया है।

माधवन ने रहना है तेरे दिल में के फ्लॉप होने पर कही ये बात

साल 2001 में आई फिल्म रहना है तेरे दिल में बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू चलाने में भले ही नाकामयाब रही, लेकिन फिल्म में कलाकारों के अभिनय और इसके गानों को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म में आर. माधवन, सैफ अली खान और दीया मिर्जा की तिकड़ी देखने को मिली थी। फिल्म के रिलीज होने के 19 साल बाद माधवन ने बताया, जब यह फिल्म रिलीज हुई थी, तब यह एक फ्लॉप फिल्म थी। लोगों ने इसे डिसास्टर (बुरी तरह से पीटने वाली फिल्म) करार दिया था, लेकिन थिएटर से हटने के बाद यह फिल्म धीरे-धीरे आइकॉनिक साबित हुई। आज लोग इसकी धुन पर झूमा करते हैं। गौतम मेनन द्वारा निर्देशित इस फिल्म के साथ दीया मिर्जा ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। फिल्म में माधवन के किरदार का नाम माधव मैडी शास्त्री था, जिसे रीना मल्होत्रा (दीया के निभाए हुए किरदार) से प्यार था। तमिल में इस फिल्म की रीमेक भी बनी थी, जिसे मिन्नाले शीर्षक के साथ रिलीज किया गया था।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।